साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 02 मार्च से 08 मार्च 2026
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 52 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए
www.shaharsatta.com

पेज 03 में...
फिर सुर्खियों में ड्रग्स क्वीन नव्या

पेज 04 में...
भ्रष्टाचार के रडार पर 50 बड़े अफसर

पेज 08 मुसवा और मौसम को लेकर कांग्रेस ने गाया फाग

हमने लगाया है, हम ही काटेंगे !

एक पेड़ मां के नाम, बाकि पेड़ बाप लोगों के नाम

धड़ल्ले से हो रही हरेभरे वृक्षों-बांसों की अवैध कटाई

फिल्म सिटी निर्माण के लिए हलाक होंगे 1500 पेड़

विभाग ने ही पौधे लगाए अब उन्हीं पेड़ों को काटने दे रहे

फारेस्ट के डिपो में ही अवैध बांस और लकड़ियां का खेल

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

सुशासन में एक टैग लाइन खासी चर्चा में है...इसे सत्तारूढ़ भाजपा के सभी नेता जब चाहें और जहां मौका मिले बोलते नहीं थकते, "हमने बनाया है हम ही संवारेंगे।" विपक्षी दल कांग्रेस भी इस टैग लाइन पर तंज भरे लहजे में वन कटाई को लेकर कहती है..."हमने लगाया है और हम ही काटेंगे।" मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तो एक पेड़ मां के नाम पर जोरदार कटाक्ष करते हुए कहा था, "एक पेड़ मां के नाम तो बाकि के पेड़ बाप लोगों के नाम सरकार ने कर दी है।"उनके ऐसा कहने का मतलब ही था कि सरकार बाहरी उद्योगों को छत्तीसगढ़ का जंगल बेरहमी से ख़त्म करने का अधिकार दे दिया है। जंगल ख़त्म तो वन्य जीवों पर भी खतरा साफ है। सरगुजा, बस्तर, रायगढ़ और राजनांदगांव में तेजी से लकड़ी-बांस के तस्कर जंगल काट रहे हैं। सुशासन हालांकि इसे लेकर काफी संवेदनशीलता बरतते हुए तैयार पेड़ काटने वालों के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाकर करारा जवाब दे रही है।

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच चल रहे संघर्ष अब खतरे के मापदंड को उजागर करने लगा है। जहां हसदेव अरण्य जैसे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र पर संकट बना हुआ है। वहीँ सड़क निर्माण और अधोसंरचना के विकास के के नाम पर अवैध कटाई-उत्खनन की खबरें भी सामने आई हैं। लेकिन वन विभाग समेत प्रशासन किंकर्तव्यविमुढ सा है।

सरगुजा से लेकर बस्तर और रायगढ़ से लेकर राजनांदगांव संभागों में खनन कार्यों के लिए जंगलों में हज़ारों पेड़ों की कटाई की जा रही है, जो स्थानीय निवासियों के जीवन और वन्य प्राणियों समेत खासकर हाथियों के गलियारे को खतरे में डाल रहा है। महासमुंद और गरियाबंद तथा धमतरी में भी अवैध वन काष्ट का कारोबार बढ़ा है। यहां बता दें कि यहां फिल्म सिटी निर्माण की योजना कांग्रेस काल में ही बनी और मंजूर की गई थी।

निर्माण कार्य होने से पहले ही कांग्रेस का एक बड़ा विरोध देखने को मिल रहा है जहां कांग्रेस का कहना है कि पेड़ काट के हमें फिल्म सिटी नहीं चाहिए फिल्म सिटी की जगह कहीं और तय हो सकती है। तूता नर्सरी है और नर्सरी मे लगभग 2000 पेड़ जो पूर्ण रूप से बड़े हो गए हैं निर्माण के लिए पेड़ काटे जा रहे हैं मगर स्थानी लोग और कांग्रेस का एक बड़ा विरोध यहां देखने को मिल रहा है जहां पर साफ कहना है कि एक पेड़ बड़ी मुश्किल से बड़ा होता है मगर निर्माण के लिए सैकड़ो पेड़ काट दिया जाता है जो बर्दाश्त नहीं है इसके लिए सडक़ से सदन तक लड़ाई लड़ी जाएगी और पेड़ को काटने नहीं दिया जाएगा।

बीजेपी का उद्देश्य कांग्रेस का कटाक्ष

- **अभियान का उद्देश्य:-** प्रधानमंत्री के आह्वान पर शुरू यह पहल मातृशक्ति के सम्मान और प्रकृति को बचाने के लिए है।
- **लक्ष्य और भागीदारी:-** वन विभाग 4 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है जिसमें स्कूल बच्चे पुलिस, सीआरपीएफ जवान शामिल हैं।
- **प्रमुख पौधे:-** पीपल (24 घंटे ऑक्सीजन)नीम, हर्रा, बहेड़ा और आंवला जैसे औषधीय पौधे लगाए जा रहे हैं।
- **विरोध/आलोचना:-** विपक्षी दल (कांग्रेस) ने इसे दिखावा बताते हुए "एक पेड़ मां के नामबाकी पेड़ (हजारों) बाप के (कॉरपोरेट/अडानी) नाम" के नारे के साथ तमनार में पेड़ कटाई पर विरोध और हंगामा किया।

फिल्म सिटी निर्माण के लिए पेड़ कटाई के विरोध में बांधा कलावा, उतारी आरती

प्रस्तावित फिल्म सिटी निर्माण के लिए तूता के जंगल में पेड़ों की कटाई का विरोध तेज हो रहा है । यहां खड़े 1500 बड़े पेड़ों में से अब तक 200 काटे जा चुके हैं। दो दिन पहले इलाके के जनपद सदस्य कुणाल सिंहा और ग्रामीण कटाई का विरोध करते हुए धरना शुरू किया था। बुधवार को शहर और ग्रामीण कांग्रेस के नेता सदस्य भी कूदे। उन्होंने पेड़ों में चिपक कर कटाई का विरोध किया। आज महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कटाई के विरोध में ग्रामीण महिलाओं के साथ पेड़ों की आरती उतारी, कलावा बांध कर सुरक्षा देने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू, पंकज शर्मा, राजेन्द्र बंजारे समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

पेड़ कटाई के विरोध में ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

फिल्म सिटी परियोजना पर पुनर्विचार की मांग

9 वर्षों से निरंतर सक्रिय संस्था ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ ने आज नवा रायपुर में प्रस्तावित चित्रोत्पला फिल्म सिटी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रीन आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक अमिताभ दुबे ने कहा कि उनकी संस्था ने पिछले नौ वर्षों में तालाब संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और जनजागरण के माध्यम से हजारों लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया है। रायपुर जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्थानीय नागरिकों की भावनाओं की अनदेखी कर किसी भी परियोजना को आगे बढ़ाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि हर पेड़ केवल लकड़ी नहीं बल्कि जीवन, ऑक्सीजन और जल संतुलन का आधार है। यदि हजारों पेड़ों पर आरा चलेगा तो शहर का तापमान बढ़ेगा, भूजल स्तर प्रभावित होगा और जैव विविधता को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रीन आर्मी शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ आंदोलन जारी रखेगी।

वन विभाग की निष्क्रियता से अवैध कटाई के कारण जंगल उजाड़ हो रहे हैं। नारायणपुर जिले के धौडाई रेंज अंतर्गत वन विभाग की लापरवाही के कारण आरक्षित वन क्षेत्रों में हरे-भरे पेड़ों की अंधाधुंध अवैध कटाई का मामला है।

लकड़ी तस्करों का एक संगठित सिंडिकेट सक्रिय है छत्तीसगढ़ में। आम, इमली, बरगद और सेमल जैसे पेड़ अंधाधुंध कटाई के कारण विलुप्त होने के कगार पर हैं। वन विभाग के चेक पोस्ट स्थापित होने के बावजूद ऐसी अवैध गतिविधियां जारी हैं।

विधानसभा में हसदेव अरण्य और बस्तर संभाग में खनन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर अवैध वन कटाई का मुद्दा जोर-शोर से उठा। कांग्रेस विपक्ष ने भाजपा सरकार पर उद्योगपतियों के हित में आदिवासियों के विस्थापन और जैव विविधता को नुकसान पहुँचाने का आरोप लगा था अब खामोश हैं

अवैध वन कटाई एवं अवैध शिकार रोकने बना है सिस्टम

वन क्षेत्रों में अवैध कटाई एवं वनोपजों के अवैध परिवहन एवं अन्य वन अपराधों की रोकथाम के लिए वनक्षेत्रों को वनमंडल, परिक्षेत्र एवं बीटों में विभाजित किया गया है। वनमंडलाधिकारी, उप-वनमंडलाधिकारी, परिक्षेत्रधिकारी, परिक्षेत्र सहायक एवं वन रक्षक(बीट गार्ड) को वन सुरक्षा एवं निगरानी हेतु तैनात किये गये हैं। वनमंडल स्तर पर बीट निरीक्षण हेतु रोस्टर निर्धारित किये गये हैं। इसके तहत् वनमंडलाधिकारी से लेकर बीट गार्ड तक हर एक अधिकारी/कर्मचारी को प्रतिमाह बीट निरीक्षण का लक्ष्य दिया गया है। वन सुरक्षा के प्रबंधन एवं मा ॅनिटरिंग हेतु वन मुख्यालय स्तर पर कारगर अनुश्रवण की व्यवस्था की गई है। किसी भी प्रकार के वन अपराध की सूचना 24x 7 टोल फ्री नम्बर 18002337000 पर दी जा सकती है। जिस पर तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही की जाती है।

इन वनों का नहीं कोई माई-बाप

- कवर्धा
- कोंडागांव
- सक्ती
- सरगुजा
- जशपुर
- धरमजयगढ़
- कोरबा
- हसदेव

हो रहा ऐसे नुकसान

- पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है
- पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है
- प्रदेश में तस्कर हुए हैं बेख़ौफ़
- फील्ड स्टाफ जंगलों से लापता
- तस्करों-वन विभाग की मिलीभगत
- आरक्षित वन क्षेत्रों में अंधाधुंद कटाई

उठाना होगा ठोस कदम

- अवैध कटाई एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों की निष्पक्ष जांच कर तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।
- संबंधित वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर दोषी पाए जाने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
- जिले में वन क्षेत्रों की सतत निगरानी एवं चेक पोस्ट व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए।
- भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए।

फिर सुर्खियों में ड्रग्स क्वीन नव्या

टेक्नो पार्टी, विदेशी कनेक्शन और 320 बड़े-छोटे नामों की फाइल, लेकिन पूछताछ किसी से नहीं

रायपुर। ड्रग्स क्वीन नव्या मलिक एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि विधानसभा में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सवाल उठाया था। दरअसल, नाव्या और विधि अग्रवाल को हाई प्रोफाइल ड्रग्स तस्करी के मामले में कोर्ट से जमानत मिल गई है। दोनों के अलावा अन्य आरोपी भी जेल से बाहर हैं।

इस मामले में पुलिस चार्जशीट भी पेश कर चुकी है। इसमें टेक्नो पार्टी, विदेशी कनेक्शन और 320 नामों की सूची तैयार की गई है। पूछताछ और तकनीकी जांच में बड़े कारोबारी-नेताओं के साथ विदेश दौरे का भी जिक्र है। नाव्या अभी जमानत पर जेल से बाहर है। पुलिस का आरोप है कि नव्या और विधि दिल्ली-हरियाणा से ड्रग्स मंगाकर रायपुर में टेक्नो पार्टी का आयोजन करती थीं। लोगों से ऑर्डर लेकर उनके बताए ठिकानों पर सप्लाई करती थीं। यह मामला अचानक फिर सुर्खियों में है। विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे लेकर सवाल उठाया था। उन्हें लिखित जवाब दिया गया, लेकिन उसमें कहीं भी नव्या के नाम का जिक्र नहीं था। नव्या के विदेश दौरों को लेकर भी जानकारी मांगी गई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि नव्या उर्फ नविया ने तुर्की, दुबई समेत कई देशों की यात्रा की है। विदेश मंत्रालय से इसकी जानकारी जुटाई गई है।

फार्महाउस पार्टी से गिरफ्तारी तक... नव्या मलिक-विधि केस की पूरी कहानी

23 अगस्त को हरियाणा निवासी मोनू विश्नोई ड्रग्स लेकर ट्रेन से रायपुर पहुंचा। ट्रेन से उतरने के बाद उसने नव्या मलिक को फोन किया। वह एक्सप्रेस-वे के पास इंतजार कर रहा था। तभी हर्ष आहूजा और दीप धनोरिया वहां पहुंचे। पुलिस ने पहले से ट्रैप लगाया था और तीनों को पकड़ लिया। मामला खुलने के बाद नव्या मुंबई भाग गई। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए उसके मंगेतर अयान परवेज की मदद ली। उससे नव्या को फोन कराया गया और फिर छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया गया। नव्या के बाद पुलिस ने 4 सितंबर को विधि अग्रवाल को पकड़ा। इसके बाद 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया। तस्करों से एक करोड़ रुपए से ज्यादा का ड्रग्स जब्त किया गया है।

फार्म हाउस में टेक्नो पार्टी का आयोजन, तुर्की-दुबई तक की यात्रा

पुलिस की चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि फार्म हाउस, रिसॉर्ट और क्लबों में टेक्नो पार्टी आयोजित की जाती थी। विधि अग्रवाल इवेंट ऑर्गेनाइजर थी। वह नव्या के साथ मिलकर पार्टियों का आयोजन करती थी। नव्या इंटीरियर डिजाइनर थी और कई प्रभावशाली लोगों से उसकी पहचान थी। उन्हीं के माध्यम से पार्टियां आयोजित की जाती थीं। ज्यादातर नशे की पार्टियां फार्म हाउस और रिसॉर्ट में होती थीं। नव्या एक शराब कारोबारी के साथ तुर्की गई थी। इसके बाद वह दुबई समेत कई देशों की यात्रा कर चुकी है। ज्यादातर वह कारोबारियों और नेताओं के साथ विदेश गई। उसके वाट्सएप चैट की जांच में सामने आया कि वह कई बड़े नेताओं, अधिकारियों और कारोबारियों के संपर्क में थी। उनसे नियमित बातचीत और आना-जाना था।

320 लोगों की सूची, इसमें कई हाईप्रोफाइल परिवारों से जुड़े लोग

पुलिस ने एक विधायक के रिश्तेदार पीयूष अग्रवाल को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, लेकिन थाने में उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद से वह गायब है। नव्या और विधि अधिकारियों, नेताओं और कारोबारियों के बच्चों से सीधे संपर्क में थीं। पुलिस ने चैट और ट्रांजेक्शन डिटेल के आधार पर 320 लोगों की सूची तैयार की थी। इन्हें बुलाकर काउंसिलिंग की योजना थी, लेकिन अब तक उनसे पूछताछ भी नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि इनमें कई हाईप्रोफाइल परिवारों से जुड़े लोग शामिल हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ये लोग हर माह 10 से 20 लाख रुपए तक का ड्रग्स खरीदकर नशा करते थे।

ड्रिंक एंड ड्राइव और होली में ओपन जीप में हुडदंग करना पड़ेगा भारी

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर कलेक्टोरेट परिसर स्थित टाउनहॉल में जिला और पुलिस प्रशासन ने शांति समिति की बैठक ली। जिसमें कई समाजों के प्रमुख नागरिक शामिल हुए। होली और रमजान को ध्यान में रखते हुए सभी से शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई।

एडीएम उमाशंकर बंदे ने बताया कि, शहर में निर्धारित स्थलों पर मुरूम डलवाई जा रही है। साफ-सफाई, बिजली और पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। डामर सड़कों, बिजली के तारों और टेलीफोन खंभों के नीचे होलिका दहन पर रोक रहेगी। अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग रात 10 बजे तक ही किया जा सकेगा। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि, सड़कों पर डीजे लगाना प्रतिबंधित रहेगा और यातायात बाधित नहीं होने दिया जाएगा। नशे में उत्पात मचाने, तेज रफ्तार वाहन चलाने, 3 सवारी बैठाने, खुली जीप में हुड़दंग करने और जबरन चंदा वसूली करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुखौटा लगाकर घूमने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। नगर सेना की तरफ से फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। होली प्राकृतिक रंगों और गुलाल से खेलने की सलाह दी गई है, जबकि पेंट, कीचड़ और हानिकारक पदार्थों के उपयोग पर रोक रहेगी। धार्मिक स्थलों पर रंग न डालने और किसी के घर पर जबरन रंग न फेंकने की हिदायत दी गई है।

पत्नी ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर पति को किराए की थार से मार डाला

बाइक को मारी टक्कर, साथ रहने रची साजिश;1 साल से था अफेयर

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में शनिवार को पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर की पति की हत्या कर दी। आरोपियों ने वारदात को हादसा दिखाने की कोशिश की। लेकिन हत्या के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने मामले का खुलासा किया और पत्नी समेत 4 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। मामला खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम खसेरा का है।

जानकारी के मुताबिक, किशोर सारथी की पत्नी रोशनी का पिछले एक साल से गांव के ही लिलेश उर्फ मुरू अफेयर चल रहा था। दोनों एक साथ रहना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने किशोर सारथी (27) का रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। बॉयफ्रेंड लिलिश और उसके साथियों ने किराए की थार ली। मर्डर को हादसा दिखाने थार से बाइक सवार किशोर को टक्कर मारी दी, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए जांच की मांग की थी।

साली को लेने के निकला था

27 फरवरी की रात रोशनी ने साजिश के तहत पति को अपनी बहन को लाने के बहाने ग्राम बिठिया अकेले भेज दिया। रास्ते में पहले से ही लिलेश अपने 2 साथी अजय राज कुलदीप और देवेंद्र कुमार के साथ थार लेकर घात लगाए बैठा था। जैसे ही बाइक सवार किशोर सागौन वाटिका के पास पहुंचा तो आरोपियों ने थार से किशोर को जोरदार टक्कर मारी। जिससे वह दूर फेंका गया और घायल अवस्था में पड़ा।

बाद में उसने दम तोड़ दिया। मौके पर घसीटे जाने के निशान भी मिले।

सभी आरोपी गिरफ्तार

फिलहाल, आरोपी पत्नी के बताए अनुसार पुलिस ने आरोपी बॉयफ्रेंड और उसके 2 दोस्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है, जिसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

महासमुंद में बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों का पुनर्वास

नक्सलियों का बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिवीजन पूर्णत समाप्त

शहर सत्ता/रायपुर। बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति पर विश्वास जताते हुए आज महासमुंद जिले में हथियारों सहित पुनर्वास का मार्ग अपनाया। यह "पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन" कार्यक्रम के अंतर्गत ओडिशा सीमा के निकट महासमुंद में हुआ। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पुर्नवास का मार्ग चुनने वाले युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस पुनर्वास के साथ ओडिशा राज्य कमेटी का पश्चिमी सब जोन (बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन) पूर्णतः समाप्त हो गया है। अब रायपुर पुलिस रेंज और ओडिशा के संबलपुर रेंज अब नक्सल मुक्त हो जाने से क्षेत्र में शांति होगी और लोग भय मुक्त जीवन जी सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के द्वारा उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर शासन की नीतियों पर विश्वास जताते हुए पुनर्वास करने के लिए इच्छा जाहिर की गई थी, जिसके जवाब में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए आश्वस्त करते हुए आकाशवाणी के माध्यम से आडियो मैसेज जारी कर 03 मार्च तक पुनर्वास की अपील की थी। उस अपील के पश्चात बरगढ़ - बलांगीर - महासमुंद डिवीजन के 15 माओवादियों ने पुनर्वास किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलावाद केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा दिए गए समयावधि में यह समाप्त हो जाएगा। आज का पुनर्वास बहुत महत्वपूर्ण है, इसमें एक डिवीजन के पूरे बचे लोगों ने एक साथ पुनर्वास किया है, जो सराहनीय है। यह सब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में बनी दूरदर्शी पुनर्वास नीति से संभव हो सका है।

उल्लेखनीय है कि इस दल में सबसे प्रमुख नाम वारंगल निवासी विकास उर्फ सुदर्शन उर्फ जंगू उर्फ बाबन्ना उर्फ राजन्ना का था, वह ओडिशा राज्य कमेटी के स्टेट कमेटी मेंबर तथा बीबीएम डिवीजन प्रभारी था, जिस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह वर्ष 1985 से संगठन में सक्रिय था। इस दल के कुल 15 लोगों में पुनर्वास किया, जिनमें 9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। वे अपने साथ 3 एके-47, 2 एसएलआर, 2 इंसास, 4 .303 राइफल, 3 बारह बोर सहित कुल 14 अत्याधुनिक एवं ऑटोमेटिक हथियार लाये हैं।

पिस्टल लेकर घूम रहा हिस्ट्रीशीटर आमीर गिरफ्तार

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में रंगदारी के मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद आमीर को उरला पुलिस ने पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपी आदतन अपराधी है, पहले भी दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे आरोपी के खिलाफ दर्ज है। उरला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि बीरगांव के दुर्गानगर इलाके में एक निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स के पास एक संदिग्ध व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उरला थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस ने हुलिये के आधार पर जब संदेही को पकड़ा, तो उसकी पहचान थाना उरला के हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद आमीर के रूप में हुई। आरोपी को हिरासत में लेकर आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ माना, मौदहापारा, खमतराई और उरला थाने में मारपीट, बलवा, लूट और हत्या के प्रयास जैसे 24 से अधिक गंभीर अपराध दर्ज हैं।

भ्रष्टाचार के रडार पर 50 बड़े अफसर

9 के खिलाफ जांच की फाइलें अटकीं

रायपुर। प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में उस वक्त हड़कंप मच गया जब सदन में पेश किए गए आंकड़ों से खुलासा हुआ कि राज्य के करीब 50 उच्चाधिकारी (IAS, IPS और IFS) भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के सवाल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा पेश की गई लिखित रिपोर्ट के अनुसार, कई बड़े घोटालों में जांच एजेंसियां (EOW-ACB) कार्रवाई के लिए सरकार की अनुमति का इंतजार कर रही हैं।

प्रमुख घोटालों में फंसे 'रसूखदार' नाम

दिसंबर 2023 से दिसंबर 2025 के बीच की इस रिपोर्ट में प्रदेश के सबसे चर्चित घोटालों का कच्चा चिट्ठा खोला गया है:

कोयला और शराब घोटाला: समीर बिश्नोई (IAS) के खिलाफ जांच शुरू हो चुकी है, जबकि किरण कौशल, भीम सिंह और जय प्रकाश मौर्य जैसे अधिकारी रडार पर हैं। पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड और अनिल टुटेजा का नाम भी प्रमुखता से शामिल है।

महादेव एप सट्टा: पुलिस विभाग के कई बड़े चेहरे (आनंद छाबड़ा, अजय यादव, अभिषेक पल्लव आदि) सट्टा प्रमोटरों को संरक्षण देने के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

स्थ्य और राजस्व: CGMSC निविदा घोटाला और पटवारी भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर कई आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध जांच जारी है।

अनुमति का इंतजार: फाइलों में कैद है कार्रवाई

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) ने कई अधिकारियों के विरुद्ध पुख्ता सबूत होने का दावा किया है, लेकिन 9 प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति महीनों से लंबित है:

इफ्फत आरा,IAS,पाठ्यपुस्तक निगम (कागज खरीदी),13 अप्रैल 2024

संजय अलंग,IAS,समाज कल्याण (निराश्रित राशि),29 जनवरी 2025

सुधाकर खलखो,I A S , माटीकला बोर्ड (धन दुरुपयोग),प्रतीक्षित

अनूप भल्ला व अन्य,IFS,वन विभाग (गबन मामले),प्रतीक्षित

जांच के घेरे में अन्य विभाग

वन विभाग: नीलगिरी पौधा खरीदी और कैंपा मद के दुरुपयोग में अरुण प्रसाद और विवेक आचार्य समेत कई IFS अफसरों की जांच अनुमति न मिलने के कारण रुकी हुई है।

राजस्व: पटवारी भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर आईएएस रमेश शर्मा का नाम सुर्खियों में है।

स्वास्थ्य विभाग में निविदा गड़बड़ी

स्वास्थ्य विभाग में सीजीएमएससी निविदा घोटाले ने भी सरकार की मुश्किलें बढ़ाई हैं। इसमें आइएएस चंद्रकांत वर्मा, अभिजीत सिंह, सीआर प्रसन्ना और कार्तिकेय गोयल के विरुद्ध जांच जारी है। राजस्व विभाग में पटवारी भर्ती परीक्षा की गड़बड़ियों में आइएएस रमेश शर्मा का नाम भी शामिल है।

पुलिस और वन विभाग में भी हड़कंप

महादेव एप सट्टा घोटाले ने पुलिस महकमे की छवि पर गहरा दाग लगाया है। आईपीएस आनंद छाबड़ा, अजय यादव, आरिफ शेख, प्रशांत अग्रवाल, अभिषेक पल्लव और ओपी पाल के खिलाफ जांच चल रही है। इन पर सट्टा प्रमोटरों को संरक्षण देने और अवैध राशि वसूलने के गंभीर आरोप हैं। वन विभाग में नीलगिरी पौधा खरीदी और कैंपा मद के दुरुपयोग में आईएफएस अरुण प्रसाद, एके बोआज और विवेक आचार्य समेत कई अन्य अफसरों के खिलाफ जांच की अनुमति फिलहाल नहीं मिल पाई है।

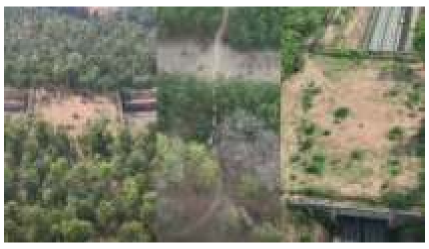

धरमजयगढ़ में देश का पहला वाइल्ड रेल कॉरीडोर बना

शहर सत्ता/रायपुर। हाथियों व अन्य वन्यप्राणियों को रेल से बचाने के लिए केंद्र सरकार निर्माणाधीन रेल कॉरीडोर लाइन में 2500 करोड़ रुपए की लागत से 35 अंडर व ओवर पास बना रही है। इनमें से धरमजयगढ़ रेल लाइन पर तैयार हो चुके 3 ओवर व 3 अंडर पास का उपयोग वन्यप्राणी कर रहे हैं। पिछले तीन साल में रेल लाइन पर कोई भी वन्यप्राणी घायल नहीं हुआ है। इससे वन विभाग को बड़ी राहत है। खरसिया-धरमजयगढ़-उरगा-कुसमुंडा-गेवरारोड-पेंड्रारोडनिर्माणाधीन कॉरीडोर रेल लाइन बीहड़ जंगल से होकर गुजर रही है। इस रेलवे लाइन में 35 ऐसे स्थान हैं जहां से वन्यप्राणी मूलरूप से हाथियों की आवाजाही बड़ी तादात में है। ऐसे स्थानों को चिन्हित कर वहां पर वाइल्ड कॉरीडोर अंडर व ओवर पास बनाए जा रहे हैं। इनमें 21 अंडर व 14 ओवर पास होंगे। इनमें से खरसिया-धरमजयगढ़ कॉरीडोर रेल लाइन जो कि 124 किमी लंबी है, यहां 3 अंडर व 3 ओवर पास का निर्माण हो चुका है। इसका उपयोग धरमजयगढ़ के जंगल में रह रहे हाथी कर रहे हैं। उन्हें भी अब ओवर पास और अंडर पास समझ आने लगी है। एक दो नहीं बल्कि हाथियों का पूरा कुनबा ही इसका उपयोग करने लगा है। इसकी जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं।

रहंगी में बनेगा खेल मैदान:चकरभाठा में सीएचसी, मंगला में हाई स्कूल

शहर सत्ता/रायपुर। विष्णु देव साय ने बिल्हा के रहंगी मैदान में आयोजित किसान सम्मेलन में कई घोषणाएं कीं। उन्होंने चकरभाठा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन, मंगला की माध्यमिक शाला को हाई स्कूल में अपग्रेड करने तथा सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख और आदिवासी समाज के लिए पत्थरखान में 50 लाख रुपए देने की घोषणा की।

रहंगी खेल मैदान में बाउंड्रीवाल व स्टेज निर्माण और अन्य उन्नयन कार्यों को भी स्वीकृति दी गई। सरगांव में ट्रामा सेंटर खोलने की मांग पर सकारात्मक आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत जिले के 1 लाख 25 हजार 352 किसानों के खातों में 494.38 करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण सुविधा और किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ जारी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में धान की सर्वाधिक कीमत दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 6 हजार रुपए सम्मान निधि दिए जाने का उल्लेख करते हुए बताया कि पहली कैबिनेट में 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए।

कार्यक्रम में 15.99 करोड़ के 7 कार्यों का लोकार्पण और 247.18 करोड़ के 82 कार्यों का शिलान्यास हुआ। मुख्यमंत्री ने सभी की सहभागिता से विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यकर्ताओं ने सीएम समेत सभी अतिथियों को खुमरी पहनाकर और हल भेंटकर सम्मान किया।

नवाचार से आएगी समृद्धि

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि खेती-किसानी में नवाचार और परिवर्तन से ही किसानों में समृद्धि आएगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन, मत्स्यपालन को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य योजना बनाकर सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध रासायनिक खाद के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता खराब हो रही है।

RTE फीस बढ़ाने की मांग; निजी स्कूलों का असहयोग आंदोलन

शिक्षा विभाग के किसी भी कार्य में नहीं करेंगे सहयोग

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अधिकार कानून (RTE) के तहत निजी स्कूलों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि नहीं बढ़ाए जाने का मामला आंदोलन तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने साफ कर दिया है कि जब तक प्रतिपूर्ति राशि में बढ़ोतरी नहीं होती, तब तक प्रदेशभर के निजी स्कूल असहयोग आंदोलन जारी रखेंगे। असहयोग आंदोलन के तहत निजी स्कूल स्कूल शिक्षा विभाग के किसी भी कार्य में सहयोग नहीं करेंगे, विभाग से जारी किसी भी पत्र, नोटिस या आदेश का जवाब नहीं देंगे। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक प्रतिपूर्ति राशि उनकी मांग के अनुसार नहीं बढ़ाई जाती।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी फैसला लंबित

एसोसिएशन ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पिछले 13 वर्षों से प्रतिपूर्ति राशि नहीं बढ़ाई गई है। इस मुद्दे को लेकर माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका क्रमांक WPC 4988/2025 दायर की गई थी। याचिका पर 19 सितंबर 2025 को दिए गए अंतिम आदेश में हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग को 6 माह के भीतर मांगों पर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है। एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ से मांग की है कि प्राथमिक कक्षाओं में प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष प्रतिपूर्ति राशि 7000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपए, माध्यमिक स्तर पर 11,500 रुपये से बढ़ाकर 22,000 रुपए, हाई और हायर सेकेंडरी की अधिकतम सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये की जाए। साथ ही यह बढ़ी हुई राशि पिछले तीन वर्षों से प्रभावी करने की भी मांग रखी गई है।

पीएससी-व्यापमं परीक्षा में नकल की तो हो सकती है 5 साल जेल, 5 लाख जुर्माना

सरकार सख्त; पेपर लीक कराया तो जेल,1 करोड़ तक जुर्माना

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में भर्ती परीक्षाओं की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के अब 'बुरे दिन' शुरू होने वाले हैं। राज्य सरकार इसी बजट सत्र में 'छत्तीसगढ़ लोक परीक्षा अधिनियम' लाने जा रही है। इसमें प्रावधान किया जा रहा है कि अगर किसी भर्ती परीक्षा नकल करते हुए परीक्षार्थी पकड़ाता है तो एक से पांच साल तक की जेल और पांच लाख रुपए तक जुर्माना लग सकता है। नकल कराते गिरोह पकड़ा गया तो जेल के साथ एक करोड़ रुपए जुर्माना भी देना होगा।

दरअसल, बीते कुछ वर्षों में प्रदेश की कई बड़ी भर्ती परीक्षाएं विवादों में रही हैं। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा 2022 को लेकर काफी बवाल हुआ था, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। इसी तरह वर्ष 2025 में व्यावसायिक परीक्षा मंडल की पीडब्ल्यूडी भर्ती परीक्षा के दौरान बिलासपुर के एक केंद्र में हाईटेक नकल

का मामला सामने आया था। ऐसे में सरकार का यह कदम नकल, पेपर लीक और परीक्षा में धांधली जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा में इसी हफ्ते कहा था कि भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को रोकने के लिए हम छत्तीसगढ़ लोक परीक्षा अधिनियम लाने जा रहे हैं।

शैक्षणिक परीक्षाएं दायरे से बाहर : शैक्षणिक, तकनीकी, व्यावसायिक अथवा अन्य प्रकार की योग्यता प्राप्त करने के लिए आयोजित परीक्षाओं पर यह नया अधिनियम लागू नहीं होगा। इन परीक्षाओं में नकल या अनुचित साधनों के मामलों में छत्तीसगढ़ लोक परीक्षा के प्रावधानों के तहत ही कार्रवाई की जाएगी। भर्ती परीक्षाओं में नकल करने वाले परीक्षार्थियों का रिजल्ट रोका जाएगा। 3 से 5 वर्ष तक वे राज्य की किसी भी भर्ती परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। गंभीर मामलों में 1 से 5 वर्ष की जेल और 5 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। दोबारा दोषी पाए जाने पर सजा 10 वर्ष तक बढ़ सकती है। कोई भी कोचिंग संस्थान किसी लोक परीक्षा में सफलता की गारंटी देकर युवाओं को प्रवेश के लिए प्रलोभन नहीं दे सकेगा। चयन या सफलता से जुड़ी कोई भी झूठी, भ्रामक या भड़काऊ जानकारी प्रकाशित करना प्रतिबंधित होगा।

इन कृत्यों को अपराध माना गया है

- नकल करना या किसी अन्य से नकल करवाना। प्रश्नपत्र लीक करना, प्राप्त करना या साजिश।
- परीक्षा कक्ष में शरीर, वस्त्र, फर्नीचर या अन्य किसी वस्तु पर जानबूझकर कोई चिंह, संकेत, शब्द या छाप अंकित करना।
- ओएमआर शीट, उत्तर पुस्तिका या मूल्यांकन अभिलेखों में छेड़छाड़ करना।
- फर्जी वेबसाइट बनाना, फर्जी परीक्षा आयोजित करना या नकली प्रवेश/नियुक्ति पत्र जारी करना।
- परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क या तकनीकी व्यवस्था में अवैध हस्तक्षेप करना।
- मेरिट, रैंक निर्धारण के लिए दस्तावेजों से छेड़छाड़ करना। परीक्षा के पूर्व नकली को असली पेपर बताकर आर्थिक लाभ के लिए प्रसारित करना।

संपादकीय

◦ सुकांत राजपूत

दाई के पेड़ ददा मन काटत हे

छत्तीसगढ़...36 भाजी, 36 गढ़ और यहां की वन संपदा में 36 बेमिसाल पौधे, जड़ी-बूटियां और बेमिसाल वृक्षों की प्रचुरता। विडंबना है कि जहां दक्षिण कौसल के घटाटोप वन और दंडकारण्य भय और रोमांच के साथ वन्यजीवों की शरणस्थली थी, वह अब उजड़ने लगी है। इन्हीं जंगलों में आदि सभ्यताएं फली-फूलीं लेकिन अब प्रदेश बनने के बाद एक पेड़ मां के नाम का बहाना करके लगाने वालों की नाक के नीचे कथित वन तस्कर बाप लोग जंगल-पहाड़ क्षतविक्षत कर रहे हैं। हम ही बनाये हैं और हम ही संवारेंगे बोलने वालों के लिए अवैध वन कटाई के लिए सभी कटाक्ष करते हुए कहने लगे हैं...यही लगाए हैं और यही काटेंगे भी।

अदानी, जिंदल और हिंडाल्को, बिड़ला जैसे आते जायेंगे जल, जंगल को खोदकर चले जायेंगे। एक पौधा मां के नाम लगाकर बाप-दादाओं द्वारा सुरक्षित रखे गए जंगल, नदियां और पहाड़ों को यूं सौंप देना किंचित भी समझदारी नहीं है। छत्तीसगढ़ की छाती खोदकर मुनाफा कमाने वाले ऐसे लोगों ने नौकरी, विकास और चंद लाभ देने का लालच क्या दिया प्रभावी लोग उनके लिए सड़कों का जाल, रेल ट्रैक बिछाने के लिए प्रदेश की हरियाली छीनने लगे हैं। बचा-खुचा जंगल वन तस्करों के हाथ में है। इसलिए तो वन्य जीवों और इंसानों की मुठभेड़ खतरनाक पैमाना पार हो गई है।

बस्तर को नक्सल मुक्त होना चाहिए था। बड़ी शिद्दत से यह किया भी गया। लेकिन देश से नक्सलवाद की तुलना में आतंकवाद ज्यादा बड़ा खतरा है, यह समझना होगा। फिर भी आतंकवाद के खात्मे की कोई तारीख मुकर्रर नहीं करके भाई लोग नक्सलवाद को समाप्त करने की जिद में अड़े हैं। दरअसल नक्सलवाद उन राज्यों में ही ज्यादा खतरा लगने लगा हैं जहां खनिज संपदा की प्रचुरता है। कोयला, लोहा, टिन, जस्ता, मैंगनीज और अन्य मतलब की चीजें जंमींदोज़ हैं। अबूझमाड़ से नक्सली ख़त्म करने साथ ही आदिवासी और जंगल के भी ख़त्म होने का दंश अब झेलना ही होगा। जिन्हें वनवासी और आदिवासियों की परंपरा, संस्कृति पसंद हैं वो लोग शहर में करोड़ों खर्च कर बनाये गए आदिवासी संग्रहालय में देखकर ही तसल्ली कर सकते हैं। क्योंकि सबकुछ प्लान के मुताबिक चल रहा है। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर सड़कें, रेल ट्रैक और सुरक्षा इंतेजामात तो उद्योगपतियों को उपहार स्वरुप मिलना ही है। वैसे भी अमीर धरती के गरीब लोगों के लिए धरती भी गरीब मिलेगी। क्योंकि धन का लोभ सबसे "शिक्षित" व्यक्ति को भी क्षण भर में बुनियादी तर्कशीलता और नैतिक सिद्धांतों के प्रति अंधा बना सकता है।

दूसरे की बर्बादी से हासिल की गई सम्पत्ति खोखली जीत की तरह है

एक बार एक व्यक्ति ने एक गोरैया को पकड़ लिया। गोरैया ने उससे जीवन की भीख मांगी और कहा कि बदले में वह उसे तीन ऐसी सीख देगी, जो उसके जीवन को बेहतर बना देंगी। गोरैया ने चहकते हुए कहा पहली सीख मैं तुम्हें तब दूंगी जब तुम मुझे मुक्त करोगे, दूसरी जब मैं उस सामने वाले पेड़ पर बैठूंगी और तीसरी जब मैं आकाश में उड़ जाऊंगी। व्यक्ति ने उत्सुकता से उसे छोड़ दिया।

गोरैया पास की एक बाड़ पर जा बैठी और उसे पहली सीख दी : बीते हुए पर कभी दु:ख मत करो; यह समय की बर्बादी है। व्यक्ति ने कंधे उचकाते हुए कहा कि वह ऐसी बातें पहले से जानता है। फिर गोरैया उड़कर एक ऊंची डाल पर जा बैठी और दूसरी सीख दी : किसी पर भी विश्वास मत करो, चाहे वह कितना ही निकट क्यों न हो, जब तक तुम अपनी आंखों से सत्य न देख लो।

इस बार भी व्यक्ति ने इसे सामान्य बात समझकर टाल दिया। तब पक्षी ने नीचे झांककर कहा, तुमने एक बड़ी भूल कर दी। मेरे शरीर के भीतर दो विशाल हीरे हैं। यदि तुमने मुझे मार दिया होता, तो तुम धरती के सबसे धनी व्यक्ति होते। उस व्यक्ति का दिल बैठ गया। वह विलाप करते हुए अपनी भूल पर पछताने लगा। फिर उसने ऊपर देखा और तीसरी सीख के लिए याचना की, यह उम्मीद करते हुए कि कम से कम वही उसके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पक्षी ने कहा- मैं तुम्हें तीसरी सीख क्यों दूं? तुमने पहली दो सीखों को तुरंत अनदेखा कर दिया। तुमने बीती हुई बात पर दु:ख जताया और असम्भव पर भी विश्वास कर लिया कि एक गोरैया के भीतर दो विशाल हीरे हो सकते हैं। मनुष्यों ने अपनी प्रगति के लिए ज्ञान अर्जित किया था और भौतिक सम्पदा इकट्ठा की थी, लेकिन उसे उपयोग में लाने का विवेक उसने गंवा दिया है। यह कहकर पक्षी उड़ गया। इस बोधकथा की याद मुझे इस शुक्रवार बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्णय को पढ़ते समय आई।

मामला एक ऐसे पुत्र से संबंधित था, जिसने "हीरों' जैसी पैतृक सम्पत्ति के लालच में अपने पिता की सम्पत्ति के एक-तिहाई हिस्से पर दावा ठोक दिया। जब पिता ने प्रतिरोध किया तो पुत्र ने तर्क देने या पारिवारिक कर्तव्य की आड़ लेने के बजाय कानून के अपने ज्ञान को हथियार बना लिया और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम (एमएचए) के प्रावधानों को लागू कराने के लिए याचिका दायर की। उसने एक स्वतंत्र मूल्यांकन की मांग की, ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि उसके पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और इस प्रकार उसे चुनौती देने की उन वृद्ध व्यक्ति की कानूनी क्षमता तक छीन ली जाए।

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति फरहान दुबाश ने इस चाल को भांप लिया। उन्होंने कहा कि पुत्र की याचिका कानूनी प्रतिरोध की जड़ पर प्रहार करने की साफ कोशिश थी। एमएचए को कमजोर और असुरक्षित व्यक्तियों की रक्षा के लिए ढाल के रूप में बनाया गया था। लेकिन पुत्र ने उसे अपने पिता की कानूनी स्थिति को समाप्त करने के लिए तलवार की तरह इस्तेमाल करने का प्रयास किया।

पुत्र के लिए पिता अब अभिभावक नहीं रहे थे, बल्कि सम्पत्ति के मार्ग में एक बाधा भर थे और उसके तमाम हथकंडे लालच से उत्पन्न हुए थे। यह कानूनी संघर्ष उस पक्षी की चेतावनी की पुष्टि करता है कि मनुष्य ने भौतिक प्रगति के लिए ज्ञान तो पा लिया है, पर अपनी सूझबूझ खो दी है। गोरैया हो या कोई और पक्षी, वो अपने बच्चों को पालने के लिए कभी किसी अन्य पक्षी का घोंसला नष्ट नहीं करते।

लेकिन जब एक पुत्र अपने पिता की सोच में कानूनी खामी तलाशने लगता है और परिवार की विरासत को हथियाने योग्य सम्पत्ति के रूप में देखने लगता है, तो वह सिद्ध कर देता है कि वह पक्षी सही था। 10 मार्च 1876 को ग्राहम बेल ने टेलीफोन का आविष्कार किया था। 1887 में जर्मन-अमेरिकी आविष्कारक एमिल बर्लिनर ने फ्लैट डिस्क ग्रामोफोन बनाया था। 3 अप्रैल 1973 को मोटोरोला के इंजीनियर मार्टिन कूपर ने पहला हैंडहेल्ड मोबाइल फोन विकसित किया था।

आवाज के क्षेत्र में ये सभी आविष्कार इसलिए सम्भव हुए थे, क्योंकि मानव प्रजाति के पास ज्ञान था। लेकिन जब उसी मानव प्रजाति का एक पुत्र उसी घर में रह रहे पिता की आवाज सुनने में नाकाम हो जाता है, तो एक गोरैया भी समझ जाती है कि हमने अपनी बुद्धि खो दी है। क्यों कि धन का लोभ सबसे "शिक्षित' व्यक्ति को भी क्षण भर में बुनियादी तर्कशीलता और नैतिक सिद्धांतों के प्रति अंधा बना सकता है।

देहबल, मनोबल और आत्मबल

जब बल आक्रमण में काम आता है, तो उसे शक्ति कहते हैं। और जब सुरक्षा में काम आता है तो उसे सहनशक्ति कहते हैं। मनुष्य को ईश्वर ने तीन तरह के बल दिए हैं- देहबल, मनोबल और आत्मबल। स्वस्थ रहने में देहबल काम आता है, दुर्गुणों से रक्षा करने में मनोबल काम आता है और शांति पाने के लिए आत्मबल काम आता है।

इस समय हमारे जीवन में तकनीक और विज्ञान का अत्यधिक उपयोग हो रहा है। देहबल इससे कमजोर होगा। इसका असर मनोबल पर भी पड़ेगा। आप पाएंगे हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा मनोरोगी होता ही है। इस दौर में और बढ़ रहा है ये रोग। मनोरोगी जेल, अस्पताल, पागलखाने में ही पाए जाते हों- ऐसा नहीं है।

हमारे आसपास, हमारे घरों में, हमारे काम करने की जगह भी वे आपको मिल जाएंगे और ठीक से तलाश करें तो एक मनोरोगी हमारे भीतर भी प्राप्त होगा। लेकिन परमात्मा ने तीन बल हमें दिए हैं। इनका उपयोग कैसे करना, ये हमारे ऊपर है। बल की धारा को परमात्मा से जोड़ें तो ये आपको ऊंचाइयों पर ले जाएगा। और यही बल गलत दिशा में मुड़ गया तो आपका पतन पशु से भी अधिक हो सकता है।

इजरायल-अमेरिका के हमले में खामेनेई की मौत

40 दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा, ईरानी मीडिया ने किया कंफर्म

ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह ख़ामेनेई की मौत हो गई है. उनके साथ परिवार के चार और सदस्यों की भी जान गई है. ईरानी मीडिया ने भी इस खबर को कंफर्म किया है. प्रेस टीवी ने बताया कि ख़ामेनेई अब नहीं रहे. उनकी मौत के बाद 40 दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा भी की गई है. मिडिल ईस्ट में तनाव की स्थिति बनी हुई है. इजरायल और अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया. इस बीच रविवार (1 मार्च 2026) को ख़ामेनेई समेत उनकी बेटी, दामाद और पोती की मौत हो गई है.

जहां एक तरफ मौत की खबरें सामने आ रही थीं, वहीं ईरान की दूसरी प्रमुख समाचार एजेंसियों तसनीम और मेहर ने बिल्कुल अलग रिपोर्ट दी. इन एजेंसियों ने कहा कि 1989 से ईरान का नेतृत्व कर रहे आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई जीवित हैं. इन रिपोर्टों ने साफ कर दिया कि ईरान के भीतर भी खबरों को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं. इसी बीच, अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स को एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद ख़ामेनेई का शव बरामद किया गया है. हालांकि, इस दावे की भी अब तक कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है. किसी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय संस्था या स्वतंत्र स्रोत ने इस खबर की पुष्टि नहीं की है.

कैसे बने खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता

अयातुल्ला अली खामेनेई का जन्म 1939 में मशहद में हुआ था. उनका परिवार साधारण था. उनके पिता अयातुल्लाह जवाद हुसैनी खामेनेई एक धार्मिक विद्वान थे और मस्जिद में नमाज पढ़ाते थे. परिवार का घर छोटा था, जहां सीमित जगह में सभी रहते थे. खामेनेई को 'सैय्यद अली' कहा जाता था, क्योंकि उनका परिवार पैगंबर मोहम्मद के वंश से जुड़ा माना जाता है. 1960 के दशक मेंअयातुल्ला अली खामेनेई वे कोम गए, जहां उन्होंने रुहोल्लाह खुमैनीके साथ पढ़ाई की. उसी समय ईरान में शाह के खिलाफ विरोध तेज हो रहा था. 1963 में उन्हें राजनीतिक गतिविधियों के कारण जेल जाना पड़ा. बाद के वर्षों में भी वे कई बार गिरफ्तार हुए. जेल के दौरान उन्होंने अपने विचारों को और मजबूत किया. 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह की सत्ता खत्म हुई और खोमैनी ईरान लौटे. खामेनेई ने नई व्यवस्था में अहम भूमिका निभाई. 1981 में वे ईरान के राष्ट्रपति बने।

ट्रंप ने कहा- खामेनेई इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक

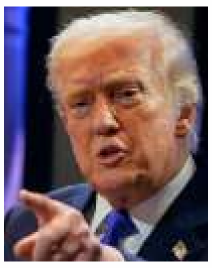

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि 86 वर्षीय आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई एक सैन्य ऑपरेशन में मारे गए हैं. ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि ख़ामेनेई इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक थे. उन्होंने उनकी मौत को न्याय बताया. इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि बमबारी पूरे सप्ताह बिना रुके जारी रहेगी या जब तक मध्य-पूर्व और दुनिया में शांति स्थापित नहीं हो जाती. ट्रंप के इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया में तेजी से खबरें फैलने लगीं और हालात को लेकर अटकलें बढ़ गईं.

ईरान में 200 से ज्यादा मौतें

इजरायल और अमेरिका ने शनिवार (28 फरवरी 2026) को ईरानी राष्ट्रपति भवन सहित कई ठिकानों पर हमले किए. इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिका सैन्य ठिकानों, तेल अवीव और इजरायल के अन्य स्थानों पर मिसाइल हमले किए. ईरान में अब तक इस हमले में 85 स्कूली छात्राओं समेत करीब 200 लोगों की मौत हो चुकी है. इजरायली हमले में ईरान के रक्षा मंत्री आमिर नासिरजादेह और IRGC के कुछ कमांडरों की मौत के दावे भी किए जा रहे हैं. इजरायल ने कहा कि इस ऑपरेशन की तारीख हफ्तों पहले तय की गई थी, जिसका मकसद ईरानी शासन को उखाड़ फेंकना है. इस हमले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और राष्ट्रपति सुरक्षित हैं. ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, अमेरिका और इजरायल के हमलों में उसके 201 लोग मारे गए और 747 लोग घायल हुए हैं।

ईरान के UAE पर ताबड़तोड़ हमले, दुबई समेत कई जगहों पर धमाके

अमेरिका-इजरायल के हमलों के बीच ईरान ने मिडिल ईस्ट खासकर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में ताबड़तोड़ हमले किए. ईरानी सेना ने दुबई के मशहूर लग्जरी होटल बुर्ज अल अरब पर भी हमला किया. रिपोर्ट के अनुसार ड्रोन के बिल्डिंग से टकराने के बाद आग की लपटें उठने लगीं. दुबई मीडिया ऑफिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अधिकारियों ने पुष्टि की है कि एक ड्रोन को रोका गया था. उसका मलबा बुर्ज अरब के बाहरी हिस्से से टकरा गया, जिससे हल्की आग लग गई. हालांकि गनीमत रही कि घटना में किसी के घायल होने या मौत की खबर नहीं है. आग पर काबू पा लिया गया है. बयान में आगे कहा गया कि सिविल डिफेंस की टीमों ने तुरंत कार्रवाई की और घटना पर काबू पा लिया है. बुर्ज अल-अरब होटल ने खुद को दुबई की पहचान के रूप में स्थापित किया है. इसे दुनिया का पहला सेवन-स्टार होटल भी कहा जाता है. ईरान ने इसके अलावा द पाम होटल और इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी निशाना बनाया है. दुबई के मीडिया ऑफिस ने एक्स पर लिखा कि दुबई इंटरनेशनल के एक कॉन्कोर्स को एक घटना में मामूली नुकसान हुआ, जिस पर जल्दी से काबू कर लिया गया. बताया गया कि घटना में 4 लोग घायल हुए हैं. बता दें कि दुबई मिडिल ईस्ट का सबसे बड़ा टूरिज्म और ट्रेड हब है और इसका एयरपोर्ट दुनिया के सबसे बिजी ट्रैवल हब में से एक है. UAE ने एक बयान में कहा है कि ईरान ने इस इलाके में 137 मिसाइलें और 209 ड्रोन दागे, जिसमें से ज्यादातर को डिफेंस सिस्टम ने रोक लिया।

खामेनेई की मौत के बाद किसके हाथों में होगी ईरान की कमान?

अमेरिका-इजरायल का ईरान पर हमला जारी है. इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के मारे जाने का दावा किया है. कई ईरानी मीडिया ने भी सुप्रीम लीडर की मौत की पुष्टि की है. ऐसे में अब ये सवाल उठ रहा है कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान की सत्ता किसके हाथों में होगी.ईरानी संविधान विलायत-ए-फकीह के नियमों के मुताबिक ईरान के सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक बड़े धार्मिक विद्वान यानि मौलवी को ही मिल सकता है. वहीं बताया जा रहा है कि अली खामेनेई ने अपनी जिंदगी में किसी उत्तराधिकारी का नाम तय नहीं किया था.

कौन होगा उत्तराधिकारी?

ऐसे में इस्लामिक रिपब्लिक ईरान के सुप्रीम लीडर की रेस में दो लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें पहला नाम अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई का है जबकि दूसरा नाम ईरान के संस्थापक अयातुल्ला खुमैनी के पोते हसन खुमैनी का है. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में किसी भी शख्स के पास अली खामेनेई जैसी ऑथोरिटी नहीं है. इसीलिए किसी भी उत्तराधिकारी को IRGC और बड़े धार्मिक निकायों जैसे शक्तिशाली संस्थानों पर कंट्रोल हासिल करना एक बड़ी चुनौती होगी. ईरान की सत्ता का फैसला विशेषज्ञों की परिषद करती है, जिसमें 88 बड़े मौलवी शामिल होते हैं।

इजरायल और अमेरिका के हमले में खामेनेई की मौत पर भड़के पुतिन

नई दिल्ली। इजरायल और अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का पहला रिएक्शन सामने आया है. उन्होंने खामेनेई की मौत पर दुख जताया है. क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या पर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है. पुतिन ने कहा कि यह हत्या मानवीय नैतिकता और

अंतरराष्ट्रीय कानून की घोर अवहेलना करते हुए की गई थी. उन्होंने कहा कि रूस में खामेनेई को एक उत्कृष्ट राजनेता के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने रूस और ईरान के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. इसके साथ ही पुतिन ने पेज़ेशकियन से खामेनेई के रिश्तेदारों और प्रियजनों के साथ-साथ ईरान की सरकार और लोगों के प्रति अपनी हार्दिक सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करने के लिए भी कहा है. सुप्रीम नेता खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने अमेरिका और इजरायल से बदला लेने की कसम खाई है. ईरान के सबसे ताकतवर लोगों में से एक, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी अली लारीजानी ने अमेरिका के दिल में चाकू घोपने की बात कही।

ईरान-इजरायल जंग में फिर उठा सवाल?

किसके पास है दुनिया का सबसे मजबूत एयर डिफेंस

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमलों के बाद एयर डिफेंस सिस्टम पर बहस तेज हो गई है. ऐसे हालात में सवाल है कि किस देश के पास ज्यादा मजबूत हवाई रक्षा कवच है.

इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम

1. आयरन डोम : इजराइल का आयरन डोम सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है. यह छोटे रॉकेट और शॉर्ट रेंज मिसाइल को रोकने के लिए बनाया गया है. इसकी सफलता दर 90 प्रतिशत से ज्यादा बताई जाती है.

2. David's Sling : यह मध्यम दूरी की मिसाइल और क्रूज मिसाइल रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाता है.

3. Arrow-3 : यह लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को अंतरिक्ष के पास जाकर नष्ट करने की क्षमता रखता है.

4. Iron Beam : यह लेजर आधारित सिस्टम है, इसकी खासियत कम लागत और तेज प्रतिक्रिया है. इजरायल की यह मल्टी-लेयर प्रणाली छोटी से लेकर लंबी दूरी तक अलग-अलग स्तर पर सुरक्षा देती है.

ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम

1. S-300 PMU2 : ईरान के पास यह रूस से खरीदा गया लंबी दूरी का सिस्टम है. इसे ईरान की रणनीतिक ढाल माना जाता था. हालांकि अक्टूबर 2024 में इजराइल के हवाई हमलों में इसे भारी नुकसान हुआ था, जिसके बाद तेहरान ने घरेलू विकल्पों पर ध्यान दिया.

2. Bavar-373 : यह ईरान का घरेलू लंबी दूरी का सिस्टम है. इसमें सैय्यद-4B मिसाइल का उपयोग बताया गया है, जिसकी मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर तक कही जाती है.

3. खोरदाद-15 : यह मीडियम रेंज मोबाइल सिस्टम है. रिपोर्टों के अनुसार यह 85 किलोमीटर दूर तक स्टील्थ जेट का पता लगाने में सक्षम बताया जाता है.

4. सेवोम खोरदाद : सेवोम खोरदाद 105 किलोमीटर तक लक्ष्य भेदने में सक्षम बताया जाता है. 2019 में अमेरिकी ड्रोन गिराने के बाद यह चर्चा में आया था. ईरान का दावा है कि उसके सिस्टम पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकते हैं, विश्लेषकों के मुताबिक इजरायल की तकनीक ज्यादा उन्नत मानी जाती है.

छठी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

सुपर-8 के अंतिम मैच में वेस्टइंडीज को रौंदा; संजू सैमसन चमके

भारत ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया है. दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड के बाद भारत सेमीफाइनल में जाने वाला चौथा और आखिरी देश बन गया है. टीम इंडिया ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर टी20 में सबसे बड़े सफल रन चेज का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना दिया है. वेस्टइंडीज ने पहले खेलते हुए 195 रन बनाए थे, जवाब में भारतीय टीम ने 4 गेंद शेष रहते इस लक्ष्य को हासिल कर लिया. ये टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कुल छठी बार है जब भारत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है.जब सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन फ्लॉप साबित हुए, वहां संजू सैमसन ने कमान संभालते हुए 97 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली. सैमसन ने इस ऐतिहासिक पारी में 12 चौके और 4 छक्के लगाए.

सबसे बड़े चेज का वर्ल्ड रिकॉर्ड

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 196 रनों का लक्ष्य हासिल करके ईडन गार्डन्स में सबसे बड़े रन चेज का रिकॉर्ड बना दिया है. इससे पहले कोलकाता के ईडन गार्डन्स में टी20 में सबसे बड़ा रन चेज 158 रनों का था. वह कीर्तिमान भी भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ स्थापित किया था.भारत की इस जीत में कप्तान सूर्यकुमार यादव से लेकर हार्दिक पांड्या और तिलक वर्मा की छोटी-छोटी पारियों का भी योगदान रहा, लेकिन एक ऐसा खिलाड़ी जो शुरू से लेकर अंत तक पिच पर खड़ा रहा, उसका नाम संजू सैमसन रहा.

शिवम दुबे के वो 2 चौके कर गए काम

आखिरी 2 ओवरों में भारत को 17 रन बनाने थे. 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर हार्दिक पांड्या 17 के स्कोर पर आउट हो गए. मुश्किलें बढ़ने लगी थीं, लेकिन तभी शिवम दुबे ने आकर 3 गेंदों के भीतर 2 चौके लगा दिए. इन 2 चौकों ने ना केवल संजू सैमसन पर से दबाव को कम किया बल्कि वेस्टइंडीज को मैच में वापसी करने से भी रोका.

जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराकर दक्षिण अफ्रीका पहुंची टॉप पर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हरा दिया है. कप्तान सिकंदर रजा, जिम्बाब्वे के लिए अकेले लड़ते रहे लेकिन अन्य खिलाड़ियों का साथ नहीं मिला. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाए थे. जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 13 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया. जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करने आई, तो कप्तान सिकंदर रजा के अलावा कोई नहीं चल पाया. उन्होंने 43 गेंद में 73 रनों की जुझारू पारी खेलकर अपनी टीम को 150 के पार पहुंचाया. रजा ने अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए. उनके अलावा कोई बल्लेबाज 30 रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया.

काम नहीं आया रजा का प्रयास

154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई दक्षिण अफ्रीका को पहले ही ओवर में कप्तान सिकंदर रजा ने झटका दे दिया था. क्विंटन डिकॉक खाता तक नहीं खोल पाए. रजा जब अपना अगला ओवर करने आए तो उन्होंने विपक्षी कप्तान एडन मार्करम को भी चलता किया. रजा पहले 3 ओवरों में ही अफ्रीका को दो झटके दे चुके थे.कुछ देर रायन रिकल्टन क्रीज पर टिके रहे, जिन्होंने 31 रन बनाए, लेकिन मैच का रुख पलट देने वाली पारी डेवाल्ड ब्रेविस ने खेली. ब्रेविस ने 18 गेंद में 42 रनों की तूफानी पारी खेली. उनकी इस पारी से दक्षिण अफ्रीका की जीत लगभग एकतरफा हो चुकी थी. 101 के स्कोर पर 5 विकेट गिर चुके थे, जिसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स और जॉर्ज लिंडे ने नाबाद 53 रनों की साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित की. स्टब्स 21 रन बनाकर नॉट आउट रहे, वहीं लिंडे 30 रन बनाकर नाबाद लौटे. दूसरी ओर जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा, जिन्होंने बल्लेबाजी में 73 रन बनाए थे, उन्होंने गेंदबाजी में भी कहर बरपाते हुए 4 ओवरों में सिर्फ 29 रन दिए और 3 बल्लेबाजों को आउट किया.

जंग के बीच विदेशी निवेशकों ने खरीदे 22,615 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है. कच्चे तेल की कीमत, सोने-चांदी के भाव, शेयर बाजार से लेकर निवेशकों की चाल पर इसका असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है.वहीं, भारतीय घरेलू बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी पर भी सवाल उठने लगे है. हालांकि, फरवरी महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार पर भरोसा जताया है. आंकड़ों की बात करें तो, इस दौरान विदेशी निवेशकों ने करीब 22,615 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं. आइए जानते हैं, इस विषय में...

आंकड़ों के अनुसार फरवरी महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सेकेंडरी मार्केट में करीब 19,782 करोड़ रुपए का निवेश किया है. वहीं, प्राइमरी मार्केट में लगभग 2,832 करोड़ रुपये डाले हैं. हालांकि, बीते शुक्रवार को एक ही दिन में विदेशी निवेशकों ने 7,536.36 करोड़ रुपये बाजार से निकाल लिए थे. फिर भी उनकी दिलचस्पी भारतीय घरेलू बाजार पर बनी हुई है।

एलिसा हीली ने ODI से लिया संन्यास, भारत के खिलाफ रिटायरमेंट मैच में जड़ा शतक

ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने वनडे क्रिकेट को अलविदा कह दिया है. उन्होंने 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपने करियर का आखिरी रिटायरमेंट मैच खेला. अपने रिटायरमेंट मैच में एलिसा हीली ने 158 रनों की शतकीय पारी खेल, कंगारू टीम को भारत पर 185 रनों की बड़ी जीत दिलाने में मदद की. एलिसा हीली ने कप्तान रहते क्रिकेट से संन्यास लिया है. दरअसल उन्होंने इसी साल जनवरी में एलान करके बताया था कि वो भारत के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के समापन के बाद इस फॉर्मेट को अलविदा कह देंगी. सामान्य रूप से वो एक विकेटकीपर हैं, लेकिन अपने वनडे रिटायरमेंट मैच में उन्होंने 2 ओवर गेंदबाजी भी की. उन्होंने अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को अंतिम सीरीज में भारत पर 3-0 से जीत दिलाई.

भारत ने टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था, उसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीत दर्ज की. अब 6 मार्च से दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट मैच शुरू होने वाला है. वो एलिसा हीली के अंतर्राष्ट्रीय करियर का आखिरी मैच होगा. वो पहले ही अपनी रिटायरमेंट की तारीख का खुलासा कर चुकी थीं.अपने वनडे करियर में एलिसा हीली ने 126 मैच खेले, जिनमें उन्होंने 3,777 रन बनाए. वनडे करियर में उनके बल्ले से 8 शतक और 19 अर्धशतक निकले।

जीतकर भी पाकिस्तान सेमीफाइनल से बाहर

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सेमीफाइनल की रेस से सबसे पहले बाहर होने वाली श्रीलंकाई टीम ने पाकिस्तान का सपना तोड़ दिया है. बीती रात यानी 28 फरवरी को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (100) के शतक और फखर जमान के (84 रन) के अर्धशतक की बदौलत 8 विकेट के नुकसान पर 212 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. इसी के साथ, फरहान और फखर के बीच टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए 176 रन की रिकॉर्ड साझेदारी देखने को मिली. पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी कीमत में श्रीलंका को 147 रनों के अंदर रोकना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. श्रीलंकाई टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए और 6 रन से मुकाबला हार गई. इसमें कप्तान दासुन श्नाका ने नाबाद 76 रन और पवन रत्नायके ने 58 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेलीं. इस मुकाबले में जैसे ही श्रीलंकाई टीम ने 147 का आंकड़ा पार किया पाकिस्तान सेमीफाइनल की दौर से बाहर हो गया.

साहिबजादा फरहान ने शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। इस समय अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में साहिबजादा फरहान की तूती बोल रही है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्होंने पारी दर पारी रिकॉर्ड पे रिकॉर्ड बनाए हैं. वहीं श्रीलंका के खिलाफ सुपर-8 मैच में 100 रनों की पारी खेल कई सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले. उन्होंने 60 गेंद में 100 रन बनाकर छक्कों से लेकर शतकों और सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड भी बनाया है. साहिबजादा फरहान दुनिया के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने एक ही टी20 वर्ल्ड कप में 2 शतक लगाए हों. उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक (2) लगाने के मामले में क्रिस गेल की बराबरी भी कर ली है.साहिबजादा फरहान ने अब तक 2026 टी20 वर्ल्ड कप में 383 रन बनाए हैं, जो किसी एक टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

ईरान-इजरायल जंग का क्या होगा असर?

रॉकेट की स्पीड से ऊपर भागेगी सोने-चांदी की कीमतें

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच जंग छिड़ गई है. अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया है. ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाया. तनाव के इस माहौल में दुनिया के वित्तीय बाजारों में हलचल पैदा हो गई है. ग्लोबल मार्केट में एक बार फिर से निवेशक सेफ-हेवन मोड में जा रहे हैं. यानी कि अनिश्चितता के इस माहौल में लोग सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी पर दांव लगा रहे हैं. ऐसे में कीमतों के बढ़ने की आशंका तेज हो गई है.

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितता और जियोपॉलिटिकल टेंशन के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी का रुख कर सकते हैं. इससे कीमतों में 10-15 परसेंट तक बढ़ोतरी का अनुमान लगाया जा रहा है. चूंकि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव के गहराने से फाइनेंशियल मार्केट में पैनिक की स्थिति पैदा हो सकती है. ऐसे समय में लोग सोने और चांदी को सुरक्षित निवेश मानते हैं.एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि कीमती धातुओं में गैप-अप ओपनिंग देखने को मिल सकती है. COMEX गोल्ड को अभी 5300 प्रति औंस के लेवल पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है. अगर यह लेवल टूटता है, तो भारत में सोने की कीमतें लगभग 1,68,000 से 1,70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ सकती हैं.

क्यों सोना-चांदी है सेफ हेवन?

शनिवार को तेहरान में इजरायल के हमले ने दुनिया को चौंका दिया. इस दौरान तेहरान में लोगों ने जोरदार धमाका सुनने की बात कही. जब युद्ध या राजनीतिक तनाव से अस्थिरता बढ़ती है, तब निवेशक स्टॉक मार्केट या करेंसी के बजाय सोने और चांदी को चुनते हैं क्योंकि इन्हें सेफ-हेवन माना जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि जंग के माहौल में करेंसी के कमजोर होने का डर रहता है, कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ने से शेयर बाजार नीचे जा सकता है, लेकिन सोने की वास्तविक कीमत कभी जीरो नहीं होती है. सोने को हजारों सालों से संकट के समय का मुद्रा माना जाता रहा है. ऐसे में अनिश्चितता के समय लोग शेयर बाजार से पैसा निकालकर सोने-चांदी पर लगाते हैं. टेक्निकल नजरिए से देखें तो MCX गोल्ड 1,60,000 के लेवल से ऊपर मजबूती से टिका हुआ है और अपनी पिछली रेंज से बाहर निकल गया है. कीमतें अभी 1,62,000 के आसपास स्थिर हैं. एनालिस्ट का मानना है कि अगर गोल्ड 1,60,000 से ऊपर बना रहता है, तो यह जल्द ही 1,63,500 से 1,65,000 की ओर बढ़ सकता है.MCX सिल्वर में भी तेजी आई है और यह 2,80,000–2,85,000 रुपये की रेंज की ओर बढ़ रहा है।

मुसवा और मौसम को लेकर कांग्रेस ने गाया फाग

चूहा फाग गीत के बहाने कांग्रेस ने सरकार को घेरा

शहर सत्ता/रायपुर। होली से पहले छत्तीसगढ़ की राजनीति में फाग गीत के जरिए नया रंग घुल गया है। प्रदेश कांग्रेस ने कथित 7 करोड़ रुपए के धान घोटाले को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए एक फाग गीत जारी किया है। गीत की पंक्तियां "दे दे बुलउवा मुसवा को सांय-सांय, मुसवा बिन घोटाला नई होय... 7 करोड़ का धान घोटाला, दे दे बुलउवा विष्णु जी सांय-सांय"— के जरिए कांग्रेस ने तंज कसा है।इस फाग गीत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कांग्रेस के कई नेताओं और प्रवक्ताओं ने आवाज दी है। पार्टी ने इसे होली का सांस्कृतिक व्यंग्य बताया है, लेकिन इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं।

क्या है 7 करोड़ का धान घोटाला?

दरअसल, कवर्धा में पिछले दिनों धान घोटाला हुआ था। जिले में कुल 108 धान खरीदी केंद्र हैं। इनमें कवर्धा ब्लॉक के बाजार चारभांठा और पंडरिया ब्लॉक के बघर्रा केंद्र में करीब 26 हजार क्विंटल धान की कमी पाई गई। इसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 7 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जिला विपणन अधिकारी (D M O) अभिषेक मिश्रा ने पहले बयान दिया था कि, धान की कमी चूहे, दीमक, कीड़े और मौसम की खराबी के कारण हो सकती है। हालांकि बघर्रा केंद्र में जांच जारी है और पूरी रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

- 7 करोड़ के धान घोटाले को लेकर सरकार पर निशाना

DMO निलंबित

मामले को गंभीर मानते हुए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) ने DMO अभिषेक मिश्रा को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई वर्ष 2024-25 के धान संग्रहण कार्य से जुड़ी बताई गई है। मार्कफेड प्रबंधन का कहना है कि धान संग्रहण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में पारदर्शिता जरूरी है और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निलंबन अवधि के दौरान संबंधित अधिकारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

रायपुर शहर कांग्रेस-जिलाध्यक्ष ने होली नहीं मनाने किया ऐलान

शहर सत्ता/रायपुर। होली के रंगों से पहले राजधानी में सियासत का रंग गहरा हो गया है। तूता इलाके में फिल्म सिटी निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई हो रही है। जिसके विरोध के बीच रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने इस साल होली नहीं मनाने का फैसला लिया है।

मेनन ने कहा कि, जब हरियाली पर आरी चल रही हो, तब उत्सव मनाना उनके लिए संभव नहीं है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं। इस पर भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा कि, होली जैसे पावन पर्व को न मनाने का ऐलान बेहद निंदनीय है और किसी अपराध से कम नहीं है। सनातन में होली पर्व का एक बड़ा पारम्परिक और पावन महत्व है। इस त्यौहार को न सिर्फ हर्षोल्लास के साथ बल्कि श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है। राजनीतिक विषय पूरे साल भर चलते है। हिंदू त्योहारों को इससे दूर रखना चाहिए। कांग्रेस का यह ऐलान हिन्दू त्योहारों के प्रति उनकी घृणा को दर्शाता जनता इसका हिसाब जरूर लेगी। कांग्रेस को इस पर माफी मांगनी चाहिए। फिल्म सिटी परियोजना के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार छठे दिन भी जारी रहा। कार्यकर्ता पहले ही चिपको आंदोलन के जरिए पेड़ों से लिपटकर और खुदाई वाले गड्ढों में बैठकर विरोध दर्ज करा चुके हैं। कांग्रेस का आरोप है कि करीब 100 एकड़ जमीन पर बड़ी संख्या में पेड़ों को हटाया जा रहा है।

बीजेपी बोली- विष्णु के सुशासन में भूपेश भी हुए मालामाल

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान बिक्री को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सोशल मीडिया पर घमासान जारी है। भाजपा रायगढ़ के सोशल मीडिया हैंडल से जारी एक पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके परिवार के धान बेचने का ब्योरा साझा करते हुए लिखा गया है कि,"विष्णु के सुशासन में भूपेश भी हुए मालामाल।" पोस्टर में भूपेश बघेल की तस्वीर के साथ उनके परिवार के चार सदस्यों के नाम और धान बिक्री का विवरण दिया गया है। इस पोस्ट के बाद भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि,"हां जी, हुए मालामाल! किसान हैं तो माल उगाया और बेचा तो माल आया।"

पोस्ट में क्या हैं आंकड़े

भूपेश बघेल – 925.2 क्विंटल धान, राशि 21,91,998.8 रुपए, अंतर राशि 6,76,321.2 रुपए

चैतन्य बघेल – 87.6 क्विंटल, राशि 2,07,524.4 रुपए, अंतर राशि 64,035.6 रुपए

दीप्ति बघेल – 194.4 क्विंटल, राशि 4,60,533.6 रुपए, अंतर राशि 1,42,106.4 रुपए

मुक्तेश्वरी बघेल – 61.2 क्विंटल, राशि 1,44,982.8 रुपए, अंतर राशि 44,737.2 रुपए

पोस्ट में इन आंकड़ों के साथ यह भी लिखा गया कि "व्यवस्था को बदहाल कहने वालों ने भी खाई मलाई।"

भूपेश का जवाब

इस पोस्ट के बाद भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि, "हां जी, हुए मालामाल! किसान हैं तो माल उगाया और बेचा तो माल आया।" उन्होंने कहा कि अगर किसान अपनी फसल बेचकर पैसा कमाते हैं तो इसमें गलत क्या है। बघेल ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने खाद और पर्याप्त बिजली नहीं दी, इसके बावजूद उन्होंने खेती कर धान उगाया। उन्होंने लिखा कि उनकी सरकार ने किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य दिलाने की कोशिश की और हर किसान को पैसा मिला।

सिर्फ 5000 शिक्षकों की भर्ती युवाओं के साथ धोखा - दीपक बैज

- कांग्रेस का आरोप, भाजपा युवाओं को रोजगार देने के अपने वादे से मुकर रही है

शहर सत्ता/रायपुर। 57,000 पदों पर शिक्षकों की भर्ती का वादा था उसे शुरू किया जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सिर्फ 5000 शिक्षकों की भर्ती युवाओं के साथ धोखा है। भाजपा सरकार, शिक्षक बनने का इंतजार कर रहे प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा कर रही है। सरकार बनते ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने 33 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की, इससे पीछे हटते पिछले बजट में मंत्री ओपी चौधरी ने 20 हजार शिक्षक भर्ती की घोषणा की, उसके बाद मुख्यमंत्री ने 5,000 पदों में शिक्षक भर्ती की घोषणा की, अब 5,000 शिक्षक भर्ती में व्याख्याता कम्प्यूटर के 146 पद एवं योग प्रशिक्षक के 146 पदों को हटाकर 4,708 पदों पर भर्ती की अनुमति दी गयी है ये सीधा-सीधा 1 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा पूरा होने का इंतजार कर रहे युवाओं के साथ धोखा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी की गारंटी में एक लाख सरकारी नौकरी देने का वादा था, 2 साल में तय वादे के अनुसार अब तक प्रदेश के 40,000 युवाओं को सरकारी नौकरी मिल जाना था। लेकिन भाजपा सरकार की नीतियों ने रोजगार दिया नहीं, बल्कि रोजगार छीना है। जिस प्रकार से पीएससी एवं व्यापम की परीक्षा में आरक्षक भर्ती, वन आरक्षक, आरआई भर्ती में प्रश्न पत्र में त्रुटियां पाई जा रही है, परीक्षाये विवादस्पद हो रही है यह सरकार की सोची समझी रणनीति है, ताकि वह अधिक भ्रमित है कि सरकार ने तो भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी लेकिन परीक्षाओं में त्रुटि होने के चलते उन्हें नौकरी नहीं मिला। भाजपा युवाओं को रोजगार देने के अपने वादे से मुकर रही है।

शराब बंदी की बात करने वाले शराब में कमीशनखोरी कर रहे

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार शराब में कमीशनखोरी की व्यवस्था तैयार करने जा रही है। सरकार ने शराब निर्माता कंपनियो से उनके ब्रांड के रेट का टेंडर मंगवाया है और सरकार निर्माता कंपनियो से प्राप्त रेट में अपना सेस जोड़कर नया रेट शराब की बोतलो पर चस्पा करेगी, उसी के आधार पर शराब की बिक्री की जायेगी। सरकार कंपनियो से रेट नेगोशिएसन के लिये कुछ नहीं करने जा रही। निर्माता कपंनिया सत्ता में बैठे हुये लोगो का कमीशन जोड़ कर अपना रेट देगी सरकार उस रेट पर खरीदी करेगी। जबकि जिन राज्यों में शराब दुकाने निजी ठेकेदार चलाते है, वहां पर शराब निर्माता कंपनियां 40 से 60 प्रतिशत तक डिस्काउंट देती है। वही ब्रांड दूसरे राज्यों में डिस्काउंट पर विक्रेता को मिलता है। छत्तीसगढ़ सरकार को पूरे रेट में इस पूरी प्रक्रिया से घोटाले की बू आ रही है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि साय सरकार के द्वारा लगातार शराबखोरी को संरक्षण देने वाले निर्णयों से प्रमाणित है कि भाजपा का शराबबंदी के लिए प्रदर्शन केवल राजनैतिक पाखंड था।

कांग्रेस- भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा नाम

राज्यसभा चुनाव : छत्तीसगढ़ में अब तक कोई नामांकन नहीं

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। 26 फरवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। नामांकन 5 मार्च तक दाखिल किए जा सकेंगे। अधिसूचना के दो दिन बाद भी दोनों दलों की ओर नाम न आने के कारण नामांकन नहीं भरा गया है। विधानसभा की मौजूदा संख्या-स्थिति को देखते हुए एक सीट भारतीय जनता पार्टी और एक सीट कांग्रेस के खाते में जाने की प्रबल संभावना है, हालांकि दोनों दलों ने अंतिम निर्णय के लिए अपने-अपने प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व को भेजा है। कांग्रेस से संभावित उम्मीदवारों को लेकर गहन विचार-विमर्श जारी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रदेश नेतृत्व से जुड़े कई वरिष्ठ चेहरे चर्चा में हैं। कांग्रेस संगठनात्मक अनुभव, आदिवासी नेतृत्व और क्षेत्रीय संतुलन जैसे पहलुओं को ध्यान में रखकर पार्टी निर्णय ले सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार प्रदेश नेतृत्व को प्राथमिकता देने की संभावना अधिक है। भाजपा परंपरागत रूप से राज्यसभा के लिए स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता देती रही है।

विधानसभा में दलीय स्थिति

छत्तीसगढ़ विधानसभा में कुल 90 सदस्य हैं। वर्तमान में भाजपा के 54, कांग्रेस के 35 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का एक विधायक है। दो सीटों पर चुनाव होना है। राज्यसभा चुनाव के तय फार्मूले के अनुसार जीत के लिए किसी भी उम्मीदवार को जीत सुनिश्चित करने के सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम 31 प्रथम वरीयता मतों की आवश्यकता होगी। संख्या बल को देखते हुए दोनों प्रमुख दल एक-एक सीट निकालने की स्थिति में दिखाई देते हैं।

9 अप्रैल को तुलसी-नेताम का कार्यकाल खत्म

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा में वर्तमान में पांच सदस्य हैं। इनमें से दो सदस्यों का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इनमें कांग्रेस की फूलोदेवी नेताम और केटीएस तुलसी शामिल हैं। कांग्रेस के राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन का कार्यकाल 2028 तक है, जबकि भाजपा से देवेन्द्र प्रताप सिंह 2030 तक सदस्य बने रहेंगे।

बस्तर की सांस्कृतिक विरासत से अभिभूत हुईं संयुक्त राष्ट्र की मेंटर

छह दिवसीय प्रवास के बाद भावुक होकर विदा हुई सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। संयुक्त राष्ट्र की मेंटर एवं हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन ने अपने छह दिवसीय प्रवास के दौरान बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कला और जनजातीय संस्कृति को करीब से अनुभव किया। प्रवास की समाप्ति पर शनिवार को उन्होंने बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा से औपचारिक मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन भी उपस्थित रहे। बैठक में बस्तर में सतत पर्यटन, सामुदायिक सहभागिता और वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

सुश्री किर्सी ने विशेष रूप से धुड़मारास के भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की प्राकृतिक छटा, जनजातीय जीवन शैली और पारंपरिक लोकाचार ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने स्थानीय समुदायों के आत्मीय आतिथ्य, लोकनृत्यों, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक जड़ें अत्यंत मजबूत और जीवंत हैं। यहां की परंपराएं केवल विरासत नहीं, बल्कि आज भी लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो इसे विश्व के पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट और अविस्मरणीय गंतव्य बनाती हैं। छह दिनों तक बस्तर के विभिन्न अंचलों का भ्रमण करने के दौरान उन्होंने ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों और प्रकृति आधारित पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर में सामुदायिक सहभागिता के साथ पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं और यदि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संरचित किया जाए, तो यह वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक सशक्त पहचान बना सकता है।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने सुश्री किर्सी के अनुभवों को बस्तर के पर्यटन संवर्धन के लिए अत्यंत

महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से न केवल स्थानीय पर्यटन को नई दिशा मिलेगी, बल्कि बस्तर की लोक कला, परंपराएं और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर और सशक्त पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय संवाद से बस्तर में सतत और समावेशी विकास की अवधारणा को और बल मिलेगा।

कोरबा को बड़ी सौगात: मंत्री लखनलाल करेंगे 21.35 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य उद्योग, श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन द्वारा सोमवार 02 मार्च 2026 को कोरबा जिले के विकास को नई गति देने के लिए करोड़ों रुपये के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा। यह गरिमामय कार्यक्रम दोपहर 2 बजे श्री अग्रसेन गौसेवा समिति कनबेरी के पास आयोजित होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत कुल 21.35 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से 08 नग वृहद पुलों और सड़क निर्माण कार्य की आधारशिला रखी जाएगी। स्वीकृत कार्यों में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 20.92 करोड़ रुपये की लागत से 08 महत्वपूर्ण वृहद पुलों का निर्माण शामिल है। इसमें रामपुर विधानसभा के कोरबा विकासखण्ड अंतर्गत लेमरू-देवपहरी रोड, डोकरमना मेन रोड, बगबुड़ा रोड, बताती-बांसाखार मार्ग और पतरापाली-धानकछार मार्ग स्थित विभिन्न नालों जैसे गौमुखी, चिंगराडांड, गड़गड़ा, कोटगसरा और पेंसारी नाला पर पुलों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पालीतानाखार विधानसभा के पोड़ीउपरोड़ा विकासखण्ड में कटघोरा-अंबिकापुर रोड से बहरीझरिया मार्ग के कोठीझुंझा नाला पर भी एक वृहद पुल का निर्माण प्रस्तावित है, जिसकी लागत 278.72 लाख रुपये है।

मुख्यमंत्री साय ने महिला कृषक बसंती को दी बधाई

शहर सत्ता/रायपुर। जगदलपुर के वीर सावरकर भवन में आयोजित आदान सहायता राशि वितरण कार्यक्रम के दौरान बिलासपुर जिले से वर्चुअल तौर पर जुड़े मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तर जिले के मुंडापाल की महिला कृषक बसंती कश्यप से रूबरू होकर उन्हें समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रोत्साहन राशि मिलने की बधाई देते हुए उक्त राशि के उपयोग के बारे में पूछा।

इस पर बसंती कश्यप ने बताया कि उनके परिवार में साढ़े तीन एकड़ पैतृक कृषि भूमि है जिसमें धान की उन्नत खेती करते हैं। इस वर्ष 50 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर विक्रय किए थे, जिसकी एक लाख 18 हजार रुपए राशि तुरंत बैंक खाते में जमा हुई थी। जिससे आवास बनाने और खेती किसानी के लिए उपयोग किए। आज जो प्रोत्साहन राशि 36 हजार रुपए मिली है उसे कुक्कुटपालन के विस्तार सहित होली त्योहार मनाने के लिए उपयोग करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार जताया।

उन्होंने बताया कि उनका परिवार खेती किसानी के साथ ही कुक्कुटपालन भी कर रहा है जिससे अच्छी आमदनी हो रही है। इसे मद्देनजर रखते हुए अब अपने कुक्कुटपालन गतिविधि को और ज्यादा बढ़ाने का निर्णय लिया है और अब 300 से अधिक कुक्कुट रखेंगी। जिससे उन्हें ज्यादा से ज्यादा आमदनी हो। उन्होंने शासन की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, महतारी वंदन योजना से भी लाभान्वित होने की जानकारी देते हुए किसान हितैषी फैसलों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया।

किसान चिंतामणी को ग्राफ्टेड बैंगन से 16 लाख की हुई आमदनी

उन्नत तकनीक से खेती कर किसान बढ़ा रहे अपनी आमदनी

शहर सत्ता/रायपुर। किसान वैज्ञानिक पद्धति, उन्नत बीज और सही मार्गदर्शन के साथ खेती करें, तो कम भूमि में भी अधिक उत्पादन और बेहतर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड के ग्राम करही के किसान चिंतामणि बंजारे ने नवाचार और आधुनिक तकनीक को अपनाकर खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया है। उन्होंने परंपरागत सब्जी खेती से आगे बढ़ते हुए उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में 10 एकड़ क्षेत्र में ग्राफ्टेड बैंगन की खेती कर लगभग 1100 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। इस उत्पादन से उन्हें करीब 16 लाख रुपये की आमदनी हुई है।

कृषक चिंतामणी ने बताया कि सामान्य फसल की तुलना में ग्राफ्टेड बैगन में लागत अपेक्षाकृत कम आती है, जबकि उत्पादन अधिक मिलता है, परिणामस्वरूप आय दो से तीन गुना तक बढ़ जाती है। ग्राफ्टेड बैंगन की विशेषता इसकी मजबूत जड़ प्रणाली, रोग प्रतिरोधक क्षमता और अधिक उत्पादन है। पहले वे सामान्य सब्जियों की खेती करते थे, जिसमें लाभ सीमित और जोखिम अधिक था। किंतु उद्यान विभाग के प्रोत्साहन, तकनीकी सलाह और उन्नत पौध सामग्री के उपयोग ने उनकी खेती की दिशा ही बदल दी। उचित सिंचाई प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग और नियमित देखभाल से फसल की गुणवत्ता बेहतर रही, जिससे बाजार में उन्हें अच्छा मूल्य प्राप्त हुआ। आज वे आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, बल्कि अन्य किसानों को भी उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ग्राफ्टेड बैंगन की खेती ने उनके परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ गांव में आधुनिक कृषि की नई सोच को भी प्रोत्साहित किया है।

जिला पंचायत सीईओ बिश्वरंजन ने किया पांच ग्राम पंचायतों का निरिक्षण

धरसीवां क्षेत्र की आर्द्रभूमियों को पक्षी अवलोकन केंद्र के रूप में करेंगे विकसित

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले के धरसीवां विकासखंड अंतर्गत चयनित पांच ग्राम पंचायतों की आर्द्रभूमि स्थलों का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन के नेतृत्व में 1 मार्च को एक संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्थानीय पक्षी विशेषज्ञों की उपस्थिति में मॉंढर, गोढी, अकोली, बरबांदा एवं टोर ग्राम पंचायतों के आर्द्रभूमि क्षेत्रों का भ्रमण किया गया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य इन आर्द्रभूमि स्थलों का संरक्षण सुनिश्चित करते हुए स्थानीय ग्राम पंचायतों, स्व-सहायता समूहों एवं युवा समूहों की सहभागिता से इन्हें पक्षी अवलोकन केंद्र (बर्ड वॉचिंग सेंटर) के रूप में विकसित करना है। निरीक्षण के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, स्व-सहायता समूह के सदस्य, पंचायत सचिव एवं तकनीकी सहायक भी उपस्थित रहे।

भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण के महत्व, स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण तथा इन स्थलों को पर्यावरणीय एवं पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

आगामी कार्ययोजना के तहत सीईओ धरसीवां आशीष केशरवानी के साथ पक्षी विशेषज्ञों की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संरक्षण एवं विकास से संबंधित विस्तृत रणनीति तैयार की जाएगी। इसके साथ ही चयनित सभी ग्राम पंचायतों में आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश एवं नियम भी निर्धारित किए जाएंगे। इस पहल से क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ेगी तथा भविष्य में इन स्थलों को प्रकृति एवं पक्षी प्रेमियों के लिए आकर्षक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

कमाई के मामले में औसत रही 2026 की शुरुआत

साल 2026 की शुरुआत में बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्में रिलीज हुई, जिनमें 'बॉर्डर 2', 'ओ' रोमियो, 'मर्दानी 3' और 'इक्कीस' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं. इन फिल्मों ने न सिर्फ तगड़ी कमाई की, बल्कि अपनी दमदार कहानी और शानदार प्रदर्शन के दम पर दर्शकों का दिल भी जीत लिया. आइए जानते हैं कि 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप 5 बॉलीवुड फिल्में कौन-सी हैं और किसने हासिल किया नंबर वन का ताज.

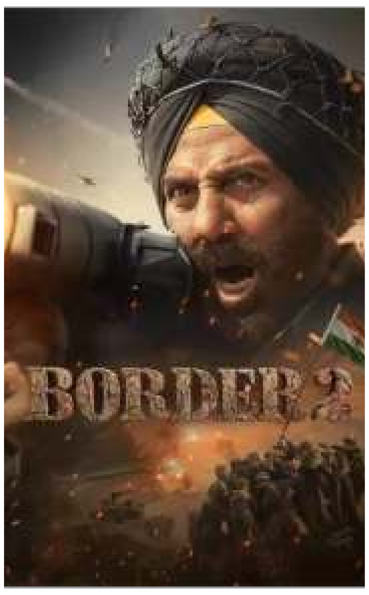

बॉर्डर 2

साल 2026 में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2'. इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया. यह फिल्म देशभक्ति और एक्शन से भरपूर रही, जिसमें सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए. दमदार कहानी और इमोशनल अपील के दम पर फिल्म ने 360.44 करोड़ रुपये की कमाई की।

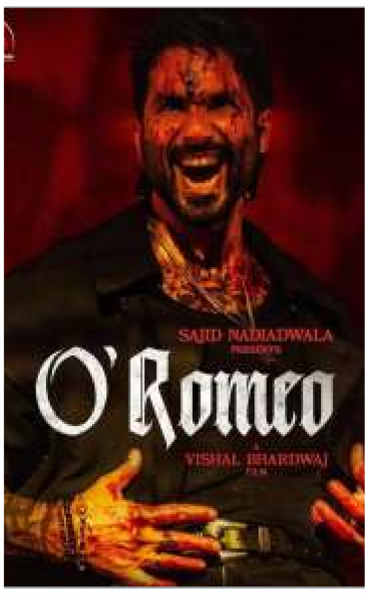

ओ'रोमियो

रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ओ'रोमियो' का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया. फरवरी 2026 में रिलीज हुई इस फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी लीड रोल में दिखे. दर्शकों के बीच फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 73.27 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. फिल्म थिएटर में लगी है.

मर्दानी 3

'मर्दानी 3' का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया, जबकि रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के दमदार किरदार में नजर आईं. एक्शन-थ्रिलर अंदाज में बनी यह फिल्म 2026 में रिलीज हुई और दर्शकों को खूब पसंद आई. फिल्म ने करीब 50.27 करोड़ रुपये की कमाई की. फिल्म थिएटर में लगी है.

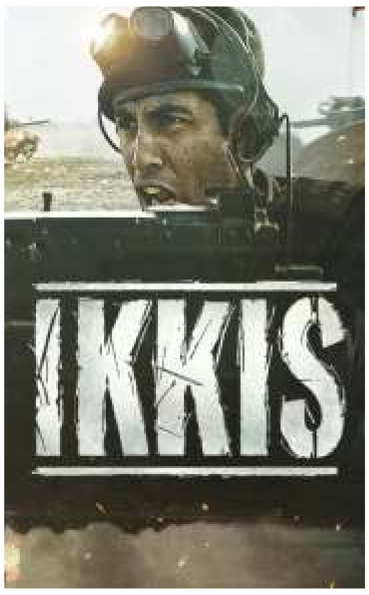

इक्कीस

'इक्कीस' एक देशभक्ति से जुड़ी फिल्म रही, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया. इसमें अगस्त्य नंदा अहम भूमिकाओं में नजर आए. शानदार कहानी और मजबूत अभिनय के चलते फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 36.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया.

450 करोड़ में बनेगी रणवीर-आलिया और विक्की की फिल्म 'लव एंड वॉर'

निर्देशक संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है. इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ दिखाई देगी. हाल ही में फिल्म के बजट को लेकर खबरें आई थीं कि मेकर्स इसे 450 करोड़ के भारी बजट में तैयार कर रहे हैं. लेकिन अब नई रिपोर्ट के मुताबित ये दावा गलत है.

'लव एंड वॉर' का असली बजट

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा गया, 'लव एंड वॉर का बजट बढ़ा है, लेकिन संजय लीला भंसाली की लगभग हर फिल्म में ऐसा होता है. शुरुआत में इसे 250 करोड़ की भव्य फिल्म के रूप में प्लान किया गया था, लेकिन शूटिंग के दौरान लागत बढ़कर 350 करोड़ तक पहुंच गई.' रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'भंसाली अपने विजन से कभी समझौता नहीं करते और वो इस फिल्म को पूरे जुनून के साथ बना रहे हैं. उन्हें विश्वास है कि यह उनका अब तक का बेस्ट काम हो सकता है. 425 करोड़ के बजट की जो बात कही जा रही है, वह जानबूझकर प्रोजेक्ट को नुकसान पहुंचाने के लिए फैलाई गई है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है.'

इतने करोड़ किए खर्च

रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से आगे लिखा है, 'ये कोई वीएफएक्स वाली फिल्म नहीं है. लव एंड वॉर की ज्यादातर शूटिंग बड़े सेट्स पर की गई है, जहां बीते दौर को दोबारा रचा गया है. इससे लागत उतनी नहीं बढ़ती जितना अनुमान लगाया जा रहा है. जो भी फिल्ममेकिंग को समझता है, वो कहेगा कि 425 करोड़ का आंकड़ा बेबुनियाद है. सच्चाई ये है कि लव एंड वॉर 350 करोड़ की फिल्म है, और निर्माता लगभग 30 करोड़ मार्केटिंग पर खर्च करने का प्लान बना रहे हैं. इस तरह टोटल लागत करीब 380 करोड़ तक जाएगी.'

कब रिलीज होगा 'लव एंड वॉर'?

बता दें, 'लव एंड वॉर' की शूटिंग काफी टाइम से चल रही है. बताया जा रहा है कि ये फिल्म अगले साल 2027 में रिलीज की जाएगी. दरअसल रणबीर कपूर इन दिनों नितेश तिवारी की रामायण में भी बिजी हैं, जो कि दो पार्ट में रिलीज होगी. पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर आएगा और दूसरा पार्ट अगले साल दिवाली पर. इन दोनों फिल्मों के बीच 'लव एंड वॉर' रिलीज करने की प्लानिंग है. शूटिंग इस साल जून तक पूरी होने की उम्मीद है.

री-रिलीज हुई 'तेरे नाम' को मिला दर्शकों का प्यार

साल 2003 में आई सलमान खान की कल्ट क्लासिक फिल्म 'तेरे नाम' आज तक भी लोगों को बहुत पसंद हैं. ऐसे में फैंस की डिमांड के बाद इस फिल्म को सिनेमाघरों में दोबारा से रिलीज किया गया है. ट्रैजिक क्शन लव स्टोरी को उस समय भी दर्शकों का बहुत प्यार मिला था. खासतौर से सलमान खान के राधे मोहन किरदार के फैंस तो आज तक भी देखे जाते रहे हैं. इसी बीच अब जब इस फिल्म को दोबारा से रिलीज किया गया है तो ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी धमाल मचा रही है. यहां तक कि इस फिल्म ने 'बॉर्डर 2' की भी टेंशन बढ़ा दी है.

'तेरे नाम' ने दो दिन में कितनी कमाई की?

सलमान खान, भूमिका चावला स्टारर 'तेरे नाम' 27 फरवरी 2026 को दोबारा से सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 25 लाख रुपये की कमाई की है. तो वहीं पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे दिन भी फिल्म ने नेट 25 लाख रुपये की कमाई की है. दोनों दिन की कमाई मिलाकर इस फिल्म ने 50 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है. अब रविवार का कलेक्शन बताएगा कि फिल्म का पहला वीकेंड कैसा रहा और किस-किस फिल्म को पछाड़ दिया.

'बॉर्डर 2' की बढ़ी टेंशन

वैसे तो सनी देओल स्टारर 'बॉर्डर 2' को रिलीज हुए 37 दिन हो चुके हैं. फिल्म ने इतने दिनों में कुल कलेक्शन 327.44 करोड़ कर लिया है. लेकिन इसके 37वें दिन के कलेक्शन को देखें तो इस फिल्म ने 22 लाख रुपये का कलेक्शन किया है. जो 'तेरे नाम' के दूसरे दिन के कलेक्शन के सामने कम ही है. ऐसे में इसे देख कहा जा सकता है कि 'बॉर्डर 2' की ऑडियंस को 'तेरे नाम' ने अपनी ओर खींच लिया है.

संन्यासी बनी ममता कुलकर्णी ने की ग्लैमर वर्ल्ड में वापसी

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस में से एक मानी जाने वाली ममता कुलकर्णी ने कई सालों से फिल्मी दुनिया से दूरी बना रखी है. हालांकि, ग्लैमरस वर्ल्ड से दूर होने के बाद भी वो चर्चा में बनी रहती हैं. सबसे ज्यादा तो ममता 2025 में हुए महाकुंभ से चर्चा में आई थीं.इसी बीच एक्ट्रेस के फैंस के लिए एक बड़ी खूसखबरी सामने आई है और वो ये है कि उनकी पसंदीदा एक्ट्रेस कमबैक करने जो जा रही हैं. दरअसल, ममता कुलकर्णी को लाफ्टर शेफ 3 में देखा जाएगा. एक्ट्रेस को हाल ही में शो के सेट पर स्पॉट किया गया.अब ममता ने ढाई दशक बाद टीवी पर अपनी वापसी को लेकर बात की. लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड के सेट पर मौजूद पैप्स से ममता कुलकर्णी ने कहा,'मैं काफी एक्साइटेड हूं क्योंकि 25 साल बाद टीवी पर नजर आऊंगी. आपने देखा होगा कि मैं 25 साल से टीवी पर नहीं दिखी.एक अच्छा मौका है, हंसने का मौका मिला है. हम लोग बहुर गंभीर हो गए हैं।

मुगल काल में कौड़ियागढ़ ने रचा इतिहास

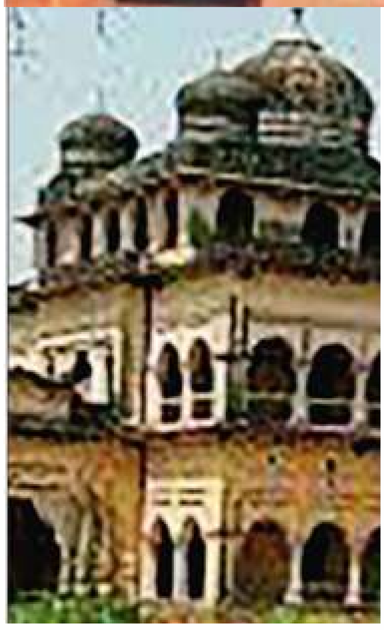

विजय शर्मा

सन 1672 में मुगल सेनापति दिलेर खां ने कौड़ियागढ़ पर आक्रमण करते हुए सुअरमार गढ़ जहां के वीर डुंडीशाह एवं कोहंगी शाह ने वीरता पूर्वक मुगलों का मुकाबला किया, जिसमें अनेक आदिवासी लड़ाके शहीद हुए। यह मुकाबला ऐतिहासिक ग्राम खेमड़ा में हुआ। गोंडी परघरनिया द्वारा गाए जाने वाले यश गाथा में वीर रस के साथ वर्णन किया जाता है।

इस बीच कारी मोटीयारी नाम की साहसी महिला ने नेतृत्व करते हुए सलिहागढ़ की घाटी में महिलाओं को संगठित कर गुरिल्ला युद्ध नीति से मुकाबला करने का संकल्प लिया और मुगलों मुगलों का डट कर मुकाबला किया। उसके बाद कभी इस ओर झांकने की कभी हिम्मत नहीं की और यहां की गाथा को अमर कर दिया। कौड़ियागढ़ में स्थित खंडहर और दुर्ग के अवशेष इस क्षेत्र की प्राचीन और मध्यकालीन ऐतिहासिक विरासत की गवाही देते हैं, जहाँ स्थानीय आदिवासी शासकों ने संघर्षपूर्ण इतिहास रचा।

कौड़ियागढ़ के इतिहास से जुड़े प्रमुख बिंदु

आदिवासी शासन और प्रारंभिक दौर

ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, कोरिया (कौड़ियागढ़) क्षेत्र में मूल रूप से बलेद शासकों का शासन था। बाद में, कोल राजा और मोड जमीनदारों के एक संयुक्त सैन्य बल ने बलेव शासकों को कोरिया से खदेड़ दिया था। यह क्षेत्र अपनी मौगोलिक स्थिति के कारण एक प्रमुख सैन्य किला था, जिसे कोरियागढ़ कहा जाता था।

रियासत का इतिहास

कौड़ियागढ़ के शीर्ष पर एक पठार स्थित है. जहाँ आज भी पुरानी इमारतों के खंडहर मिलते हैं। माना जाता है कि यह किला कोरिया के तत्कालीन शासकों की राजाइनी थी।

मुगलकालीन संदर्भ

छत्तीसगढ़ के अन्य क्षेत्रों की तरह, कोरिया भी मुगलों के सीधे नियंत्रण में काफी बाद में आया। मुगलों के समय यह क्षेत्र स्वतंत्र या अर्द्ध-स्वतंत्र आदिवासी जमींदारियों के रूप में कार्य करता था।

सकरी वाले कपाट

घर दुआर म घर के सुरक्षा खातिर लकड़ी के चौखट लगा के ओमा लोहा के गुजर (हुक) लगावय। ओहि हुक पट्टी ल गुजर म फिट करय। जेखर ले कपाट ह घूम के चौखट में फीट हो जाय। कपाट ल बंद करे बर वोमे लोहा के सकरी जेमे तारा लगावत बन जावत रिहिस। जादातर कपाट ल सैगोन अउ बंबूर लकड़ी के बनावय। कतको झन मन नक्काशीदार घलो बनावय। देवारी तिहार म कपाट ल निकाल के कई जगा धोय बर घलो लेगय। दरवाजा मन बड़ मजबूत रहय। लकड़ी घलो हर घर मिल जावत रिहिस। लकड़ी के पहली कमी घलो नी रिहिस। अब तो एकरो रंग रूप में बदलाव आगे हावय। पहली जईसे कपाट के चलन अब नी दिखय। कपाट अउ सकरी के नाव सुनना घलो आगू सुने बर नी मिलही तईसे लगथे।

संघर्ष और आस्था के लिए प्रेरित भी करते हैं लोकगीत

डा रचना मिश्र

छत्तीसगढ़ के लोक साहित्य के वर्गीकरण में लोकगीतों का विस्तृत क्षेत्र और उनका गरिमा मंडित रूप दृष्टिगत होता है। लोकगीत सामूहिक जनमानस की सामूहिक व्यंजना है। लोक स्मृति से चले जाने वाले गीतों के स्वरूप को उसी के रूप में रखना संभव नहीं होता। यह एक कंठ से दूसरे कंठ तक, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक स्वयं रस वृष्टि करते रहते हैं। कई बार अकाल की विभीषिकाएं भी झेलनी पड़ती हैं मगर लोक जीवन इससे टूटता नहीं है, इसमें अशेष सहिष्णुता होती है, उसे अपनी शक्ति पर भरोसा है। वह अकाल को सुकाल में बदलने की क्षमता रखता है है--

ऊंच नीच हो जाए, जिनगी के हाल गा।
नई गिरिस पानी एसो, नई पाके धान।
नई मिले काम बुता, नई बांचय परान।
का होही काली बर फेर चलही नागर। बने रहय धरम करम बने रहय जांगर।
जावन दे दुकाल ल आवन दे सुकाल गा। किसान को अपने खेत, गांव से इतना लगाव होता है कि वह सुविधाविहीन गांव में फटा पुराना पहन कर और रुखा सूखा खाकर रहना मंजूर करता है -
मैं तो गांव मा रहीहो गा।
बिरदा बसंती हा मोला नीक लागे गा।
तता तता नागर जोते तात कलेवा खाय। फटे पुराना कपड़ा पहिन अपन दिन बिताय। जईसे जईसे घर बने हे वईसे हे फुलवारी। भाई भाई म मेल बने हे मालिक हे बलिहारी।

भगवान राम की स्मृतियां रामाराम ग्राम में

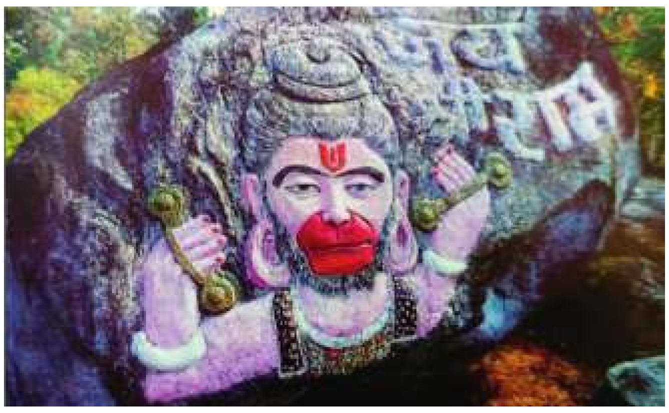

भगवान राम के वनवास काल के दौरान भगवान राम राम के पथ कमल के अनेक प्रमाण हमें इतिहासों के माध्यम से मिलते हैं। अनेक धार्मिक मान्यताएं भी इस प्रमाण की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त होते हैं। इसी संदर्भ में रामाराम ग्राम भी आता है जो बस्तर अंचल के सुकमा जिले में स्थित है। माना जाता है कि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र से शबरी नदी के किनारे चलते हुए भगवान श्रीराम वर्तमान सुकमा जिले के रामाराम गांव पहुंचे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर शबरी नदी के तट पर राम ग्राम स्थित है। रामाराम गांव के निकट एक पहाड़ी पर भगवान राम के पद होने की किंवदंती प्रचलित है। इस स्थान की एक और विशेषता है कि यहां चिटमिटिन माता का मंदिर है। मान्यता है कि यहां भगवान राम ने भू देवी की पूजा अर्चना की थी। इस माता मंदिर की भी काफी मान्यता है। इस स्थान पर प्रति वर्ष मेले का आयोजन किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के जननायक और शहीद रामाधीन गोंड़

रामाधीन गोंड़ का जन्म छत्तीसगढ़ की गोंड़ जनजाति में हुआ। वे बचपन से ही साहसी, निर्भीक और न्यायप्रिय व्यक्ति थे। गोंड़ जनजाति का जीवन प्रकृति, नदी, जंगल से जुड़ा हुआ होता है और इसी जीवन पद्धति ने उनमें स्वतंत्रता और स्वाभिमान का भाव विकसित किया। 18 वीं और 19 वीं शताब्दी के दौरान छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में अंग्रेजों और सामंती व्यवस्था के शोषण से जनजातीय समाज त्रस्त था। बेगार प्रथा, भारी लगान, जबरन वसूली, जंगल जमीन से बेदखली जैसी समस्याओं ने गोंड़ समुदाय के जीवन को संकट में डाल दिया। इन्हीं परिस्थितियों में विद्रोह का बिगुल फूंका। अंग्रेज हुकूमत ने इस योद्धा के नेतृत्व और बढ़ते प्रभाव को खतरे के रूप में देखा। उनके आंदोलनों और विद्रोही गतिविधियों को कुचलने के लिए अंग्रेज अधिकारियों ने उन्हें पकड़ने की योजना बनाई। उन्हें गिरफ्तार कर क्रूर यातनाएं दी गई। वे इन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर डटे रहे। अंततः वे शहादत के मार्ग पर अमर हो गए, और अपने प्राणों का बलिदान देकर स्वतंत्रता आंदोलन की लौ को और अधिक प्रबल किया।

भूमाफियाओं की तहसील...

भ्रष्टाचारियों पर मेहरबान, रायपुर तहसील में कोहराम

बाबुओं पर गिरी गाज 'रसूखदार' पटवारियों पर सब मेहरबान

नीचे से उपर तक जमींन की बंदरबांट के हिस्सेदारों की लंबी फेहरिस्त

'नकल कॉपी' के बदले अवैध उगाही और खसरा-नक्शा में भी खेल

हेराफेरी और जांच रिपोर्ट - लंबित

- कई के खिलाफ जांच पेंडिंग, जो दोषी मिले उन पर भी कार्रवाई नहीं
- पहले तीन साल में हो रही थी पोस्टिंग
- गृह तहसील में नहीं देनी है पोस्टिंग

विशेष संवाददाता/विकास यादव

किसी की जमींन नहीं मिल रही, किसी का रकबा, हलका संख्या बदल दिया गया है और कोई जिंदा आदमी को मरा बताकर उसकी जमीन बेचने का गोरखधंधा करने वाला एकमात्र जरिया हैं तहसील कार्यालय। टॉप टू बॉटम से तात्पर्य है बाबू से लेकर पटवारी तक और पटवारी से आरआई तक की भूमिका संदेह के दायरे में है। कमोबेश इस पुरे खेल में तहसीलदार और उनके उपर महकमे के वो जिम्मेदार भी नामजद हैं जिन्हें जमीन की बंदरबांट का नजराना मिलता है। विभागीय मंत्री भी खामोश हैं और कलेक्टर विभागीय घोटालेबाजों के सबसे प्यादों को ही बलि का बकरा बनाकर अपनी जिम्मेदारी से निवृत्त हो जा रहे हैं। आम जमीन मालिक, किसान तहसील दफ्तरों के इन लोगों के आसान शिकार हैं। हंगामे के बाद सिर्फ आरोपी अफसर-बाबूओं का तबादला करके ही कलेक्टर साहब को लगता है भ्रष्टाचारी सुधर जायेंगे।

6 साल से जमे पटवारी

भूमिका जैन (सेरीखेड़ी), अनिकेत झा (सड्डू), भाईलाल अनंत (आमासिवनी), आकांक्षा साहू (डंगनिया), सुरेश वर्मा (सरोना), सुशांत नामदेव (डुमरतराई), नरेश सिंह क्षत्री (डुंडा)।

9 सालों से जमे पटवारी

सुदर्शन पनका (टेमरी), धर्मेन्द्र वर्मा (फुण्डहर), उमेश रथ (पुरैना), सोनम सिंह (बनरसी), विशाल रावले (चिरहूलडीह), नीरू श्रीवास्तव (डुमरतालाब), करुण पटेल (टाटीबंध), पूनम देवांगन (गोगांव)।

10 सालों से जमे पटवारी

- मनीष साहू - पिरदा
- हरिराम भोई - शंकर नगर
- सरोज कुजूर - टिकरापारा
- उमा प्रधान - कांदुल
- आरसी जोशी - माना
- लोकेश साहू - चंगोराभाठा
- शिव साहू - सोनडोंगरी
- नरेंद्र सोनी - हीरापुर
- नरेश ठाकुर - खमतराई
- नरेन्द्र पाण्डेय - कोटा
- बलराम ध्रुव - कचना
- दीपक तिवारी - उरकुरा
- वीरेंद्र झा - पंडरीतराई
- नीरज प्रताप सिंह - रायपुर
- कमलेश तिवारी - रायपुर खास
- बृजमोहन मिश्रा - धनेली
- मनहरण साहू - बोरियाखुर्द
- प्रशांत सोनी - सेजबहार
- राजाराम पोटाई - अमलीडीह
- श्वेता वैष्णव - मठपुरैना
- हुकुम प्रसाद शर्मा - मोवा

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर तहसील कार्यालय इन दिनों भ्रष्टाचार और हंगामे का अखाड़ा बना हुआ है। हाल ही में वकीलों और तहसील कर्मचारियों के बीच 'नकल कॉपी' के बदले अवैध उगाही को लेकर हुए भारी विवाद ने प्रशासन की चूलें हिला दी हैं। इस घटना के बाद रायपुर कलेक्टर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई कर्मचारियों का तबादला तो कर दिया, लेकिन एक बड़ा सवाल अब भी हवा में तैर रहा है— क्या पटवारियों का सिंडिकेट नियम-कायदों से ऊपर है?

बाबुओं की विदाई, पर पटवारियों को अभयदान क्यों?

रायपुर तहसील में दस्तावेजों की नकल के लिए पैसे मांगने पर हुए हंगामे के बाद कलेक्टर ने प्रशासनिक सर्जरी शुरू की है। तहसील के दागी कर्मचारियों को इधर-उधर किया गया है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि पिछले 10 सालों से एक ही जगह जमे 30 से अधिक पटवारियों की कुर्सी को कोई हिला तक नहीं सका है।

जांच में दोषी, फिर भी मलाईदार पोस्टिंग

'शहर सत्ता' की पड़ताल में यह साफ हो चुका है कि रायपुर के शहरी इलाकों में जमे इन पटवारियों में से 50% से ज्यादा पटवारियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें हैं।

- **रिकॉर्ड में हेराफेरी:** कई पटवारियों पर सरकारी रिकॉर्ड बदलने और भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाने के आरोप हैं।
- **अवैध वसूली:** वकीलों ने जिस तरह बाबुओं की उगाही के खिलाफ मोर्चा खोला, वैसी ही स्थिति पटवारियों के 'प्राइवेट मुंशियों' को लेकर भी बनी हुई है।
- **रसूख का कवच:** सूत्रों की मानें तो इन पटवारियों का रसूख इतना बड़ा है कि 8 कलेक्टर और 3 राजस्व मंत्री बदलने के बाद भी इनका सिर्फ 'हल्का' बदला जाता है, तहसील नहीं।

नियमों की धज्जियां : गृह तहसील में ही जमाया डेरा

शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सेवा के अंतिम वर्षों के अलावा किसी को गृह तहसील में पदस्थापना नहीं दी जानी चाहिए। बावजूद इसके, रायपुर के ये 'दिग्गज' पटवारी सालों से यहीं जमे हैं। इन्होंने शहर में ही अपना ठिकाना बना लिया है और एसडीएम व तहसीलदार जैसे आला अधिकारी भी इनकी मनमानियों पर आंखें मूंदे बैठे हैं।

क्या अब बदलेगा सिस्टम?

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने पहले ही कहा है कि वर्षों से एक ही जगह जमे लोगों का तबादला किया जाएगा। वकीलों के हंगामे ने प्रशासन को आईना दिखा दिया है। अब जनता और पीड़ित पक्ष यह पूछ रहा है कि "अगर भ्रष्टाचार के आरोप में बाबू हटाए जा सकते हैं, तो कुंडली मारकर बैठे दागी पटवारियों पर एक्शन कब होगा?"

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27